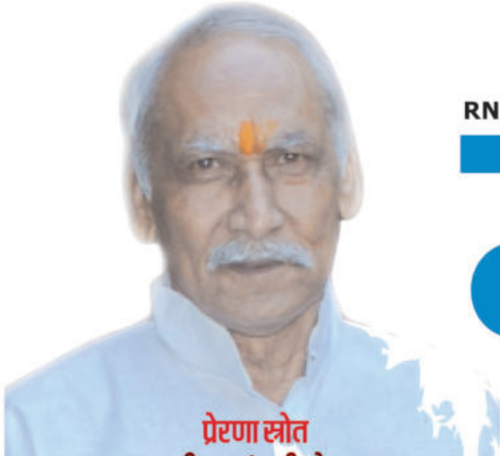
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-08, अंक - 04 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 30 अक्टूबर 2025 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

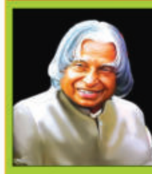

हम सब में समान प्रतिभा नहीं है, लेकिन हम सब के लिए समान अवसर है हमारी प्रतिभा को विकसित करने के लिए।

एपीजे अब्दुल कलाम

अब मध्यप्रदेश में भी मतदाता सूची (एसआईआर) का विशेष गहन पुनरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ डेस्क।

संजय भटेवरा

तमाम आलोचनाओं को दर किनार करते हुए चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुननिरीक्षण अभियान यानी एस आई आर के दूसरे चरण के कार्यक्रम में घोषित कर दिया है। जिसके तहत मध्यप्रदेश सहित 12 राज्यों में ये अभियान चलाया जाएगा और चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त बुथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क कर मतदाता सूची को सत्यापित करेगा। बिहार से प्रारंभ हुए इस अभियान में चुनाव आयोग को कई आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा। यहां तक कि यह मामला कोर्ट में भी गया लेकिन चुनाव आयोग अडीग रहा और सफ्लतापूर्वक पहला चरण पूर्ण किया गया। चुनाव आयोग का कहना है कि, इस पूरी कवायद यानी एस आई आर का मुख्य उद्देश्य है कोई भी पात्र मतदाता इस सूची से वंचित न रहे, साथ ही अपात्र मतदाता सूची में दर्ज भी न हो। अवैध विदेशी प्रवासियों को लिस्ट से हटाने के लिए जन्म स्थान की भी जांच की जाएगी। वहीं विपक्षी पार्टियों का कहना है कि, ये सारी कवायद सरकार को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है। करीब 50 लाख नाम हटाने का दावा विपक्षी पार्टी कर रही है।

वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि, इस अभियान का उद्देश्य फर्जी वोटरों को हटाना और पात्र नाम को जोड़ने का है। इस अभियान में मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट वोटर हटाए जाने हैं। तथा पात्र व्यक्ति के नए नाम जोड़े जाने हैं। पिछला एस आई आर 2002 से 2004 के बीच हुआ था।

एस आई आर कब से...

4 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 के बीच आपके बीच, आपके क्षेत्र के बी.एल.ओ आपके घर आएंगे और न्यूमेरेशन फॉर्म (गणना फॉर्म) देंगे जो आपको अपनी जानकारी भरकर वापस बीएलओ को जमा करना होगा। और जानकारी सही होने पर आपका नाम मतदाता सूची में यथावत रहेगा। वही गलत जानकारी देने पर जुर्माना या सजा का भी प्रावधान है। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। वहीं अगर आपको लगता है कि, सूची में कुछ त्रुटि या गलत जानकारी है तो 9 दिसंबर से 8 जनवरी के बीच आप दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकते हैं जिनका निराकरण 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 के बीच आयोग करेगा। वही 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। शुरू में आपको सिर्फ एन्यूमरेशन फॉर्म (ई एफ) भर कर देना है। आपका या माता-पिता के डेटा का पिछले एस आई आर से मिलान हो गया तो कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। अगर पिछले एस आई आर में नाम नहीं है तो ई आर ओ सूचना भेजेंगे। पासपोर्ट, आधार, पीपीओ,मैट्रिक का प्रमाण पत्र जैसे 12 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज देना होंगे।

इस पुरी प्रक्रिया के लिए चुनाव आयोग के हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किए हैं जिस पर कोई भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। साथ ही आप अपने मतदान केंद्र के मतदान अधिकारी बीएलओ से भी संपर्क कर सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की कार्यकुशलता पर सवाल उठाती है। कई मामलों में आरोपी वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमे की सुनवाई शुरू ही नहीं होती।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में ऐसे अनेक मामले हैं, जिनमें आरोप पत्र दाखिल हुए तीन-चार वर्ष बीत चुके हैं, परंतु आरोप तय नहीं हुए। पीठ ने स्पष्ट संकेत दिया कि अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार किया जाएगा, ताकि इस व्यवस्था में सुधार लाया जा सके।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को न्यायालय मित्र (अमिकस क्यूरी) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और महाधिवक्ता (अटॉर्नी जनरल) को भी न्यायालय की सहायता के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा बिहार राज्य के अधिवक्ता को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

पीठ एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी लगभग दो वर्षों से जेल में बंद है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि आरोप पत्र वर्ष 2023 में दाखिल किया गया था, लेकिन अब तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी की कृ दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि, सत्र न्यायालय में पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा। न्यायालय ने संकेत दिया कि यदि यह स्थिति जारी रही तो वह देशभर के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करेगा।

मातम : छठ महापर्व पर डूबने से ९ लोगों की मौत

पटना।

छठ महापर्व के दौरान बिहार में श्रद्धा और भक्ति के बीच कई जगह मातम छा गया। राज्यभर में अलग-अलग जिलों में डूबने से 83 से अधिक लोगों की जान चली गई बताया जा रहा है। अकेले पटना में 9 लोगों की मौत हुई है। अधिकांश हादसे घाट बनाने, नहाने या अर्घ्य देने के दौरान पैर फिसलने और गहरे पानी में जाने से हुए।

मृतकों में दक्षिण बिहार के 34, कोसी-सीमांचल और पूर्वी बिहार के 30 तथा उत्तर बिहार के 19 लोग शामिल हैं। पटना से सटे मोकामा के मरांची थाना क्षेत्र के बादपुर गंगा घाट पर मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे स्नान के दौरान रॉकी पासवान (21) की डूबने से मौत हो गई। हादसे की खबर सुनकर उसकी बहन सपना कुमारी को गहरा सदमा लगा और कुछ देर बाद उसने भी दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

रॉकी पासवान हाल ही में होमगार्ड की शारीरिक परीक्षा पास कर चुका था और परिवार में खुशी का माहौल था। मंगलवार को वह गंगा में स्नान कर रहा था, तभी अचानक गहरे पानी में चला गया। एसडीआरएफऔर स्थानीय गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला।

पटना जिले में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर 15 लोग डूबे, जिनमें 9 की मौत हो गई। मोकामा में तीन, बाढ़, बिहटा और खगौल में दो-दो लोगों की जान गई। मनेर में डूबे दो और अथमलगोला में एक युवक की तलाश अब भी जारी है। बाढ़ क्षेत्र में तीन, खगौल में एक और गोपालपुर तालाब में डूबे युवक को समय रहते बाहर निकालकर उपचार से बचा लिया गया।

वैशाली जिले के राघोपुर और महुआ में घाट बनाने के बाद नहाने के दौरान दो किशोर डूब गए, जबकि महनार में एक छठव्रती महिला की जान चली गई। गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के दुबे जिगना गांव में दो, औरंगाबाद में दो, भोजपुर, बेगूसराय, नावानगर और रोहतास में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

रचा इतिहासः राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में भरी उड़ान

चंडीगढ़।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया है। यह उड़ान उन्होंने हरियाणा स्थित अंबाला वायुसेना स्टेशन से भरी। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफमार्शल अमरप्रीत सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उड़ान से पहले राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत वायुसेना प्रमुख ने किया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति की यह उड़ान न केवल भारतीय वायुसेना के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि देश के लिए भी गर्व की बात है।

राष्ट्रपति मुर्मू देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हैं और तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर भी हैं। इससे पहले वह 8 अप्रैल 2023 को असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन से सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भर चुकी हैं। तब उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा था कि वायुसेना के पायलटों की दक्षता और अनुशासन प्रशंसनीय है।

अंबाला वायुसेना स्टेशन से बुधवार को भरी गई यह उड़ान भारतीय वायुसेना की आधुनिकता, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उसकी प्रगति और रक्षा क्षमता को प्रदर्शित करती है।

पूर्वोत्तर में साजिश रच रहा हाफिज सईद, भारतीय सीमा पर सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी।

लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और मुंबई हमले के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में सक्रिय हो गया है। सूत्रों के अनुसार, वह सीमावर्ती जिलों में जाकर भड़काऊ भाषण दे रहा है और कट्टरपंथी समूहों से संपर्क बना रहा है।

जानकारी के मुताबिक, जहीर पाकिस्तान की मरकजी जमीयत अहले हदीस का महासचिव है। वह 25 अक्तूबर को ढाका पहुंचा और उसके बाद राजशाही व चपाइनवाबगंज जैसे भारत सीमा से लगे इलाकों का दौरा किया। वह इस सप्ताह रंगपुर भी जाने वाला है। यह उसकी इस वर्ष की दूसरी बांग्लादेश यात्रा है।

भारत की सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जहीर की यात्रा बेहद चिंताजनक है क्योंकि वह सीमावर्ती जिलों में धार्मिक समूहों से मिलकर सलाफी नेटवर्क को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। वह 6 और 7 नवंबर को राजशाही जिले के पाबा उपजिला में होने वाले बड़े सलफी सम्मेलन में हिस्सा लेगा और 8 नवंबर को पाकिस्तान लौटेगा।

एक वीडियो में जहीर को बांग्लादेश की सभा में यह कहते सुना गया कि ÷इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहो3 पाकिस्तान से बांग्लादेश तक मुसलमानों को सेक्युलर ताकतों के खिलाफएकजुट होना चाहिए।÷ उसने कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीरियों को उनकी आज़ादी से वंचित किया जा रहा है, और पाकिस्तान को उनके समर्थन में आवाज उठानी चाहिए।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इब्तिसाम इलाही जहीर न केवल हाफिज सईद का भरोसेमंद सहयोगी है, बल्कि कट्टरपंथी प्रचारक जाकिर नाइक से भी संपर्क में है। दोनों की मुलाकात पिछले वर्ष पाकिस्तान में हुई थी।

सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि जहीर की ये गतिविधियाँ भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाने की बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकती हैं। बांग्लादेश सीमा से लगे इलाकों में सलाफी नेटवर्क की बढ़ती मौजूदगी भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

बिहार के लोगों को अपने ही राज्य में रोजगार नहीं- राहुल गांधी

मुजफ्फरपुर।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो माह बाद मंगलवार को बिहार पहुंचे और मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। रैली में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी पर सीधा हमला बोला।

राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के लोग पूरे देश में शहर बसाते हैं, कारोबार चलाते हैं, लेकिन अपने ही राज्य में उन्हें रोजगार नहीं मिलता। रोजगार के लिए उन्हें पलायन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने हर प्रदेश के विकास में योगदान दिया है, परंतु बिहार में ही बिहारियों का कोई भविष्य नहीं है कृ यही आज की सच्चाई है।

राहुल गांधी ने नीतीश कुमार की 20 वर्ष पुरानी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा, क्या आप ऐसा प्रदेश चाहते हैं जहाँ उद्योगपतियों को दो रुपये में जमीन मिले और आम जनता को कुछ न मिले?

कांग्रेस नेता ने कहा कि बिहार को ऐसा शासन चाहिए जो उद्योग स्थापित करे, युवाओं को रोजगार दे और राज्य को आत्मनिर्भर बनाए। उन्होंने कहा कि महागठबंधन बिहार के पुनर्निर्माण और सम्मान की लड़ाई लड़ रहा है। ÷हम ऐसा बिहार बनाना चाहते हैं जहाँ बाहर के लोग काम करने आएं, न कि बिहारी रोजगार के लिए बाहर जाएं,÷ राहुल ने कहा।

तेजस्वी यादव की मौजूदगी में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा, नीतीश जी का रिमोट भारतीय जनता पार्टी के हाथ में है। बिहार को कुछ लोग नियंत्रित कर रहे हैं, जिन्हें न सामाजिक न्याय की परवाह है और न ही युवाओं के भविष्य की।

राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ महागठबंधन की यात्रा अब बिहार के हर जिले में जाएगी, जनता का जोश बता रहा है कि राज्य में बदलाव तय है।

महागठबंधन का तेजस्वी प्रण पत्र जारी

पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन ने मंगलवार को अपना साझा घोषणा पत्र 'तेजस्वी प्रण पत्र' जारी किया। इसमें हर घर से एक सदस्य को सरकारी नौकरी, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन और 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने जैसे बड़े वादे शामिल किए गए हैं। यह घोषणा पत्र राजद, कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों के नेताओं की उपस्थिति में जारी किया गया।

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बताया कि इस घोषणा पत्र में कुल 20 प्रमुख प्रण शामिल हैं। सबसे बड़ी घोषणा के रूप में उन्होंने कहा कि 20 महीने के भीतर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी और इसके लिए 20 दिनों के भीतर नया अधिनियम बनाया जाएगा।

घोषणा पत्र में युवाओं, महिलाओं, किसानों, संविदा कर्मियों, पेंशनधारियों और गरीब परिवारों के लिए कई योजनाओं का उल्लेख किया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान जारी पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर भी शामिल रही। तेजस्वी यादव ने कहा कि ÷हमने मुख्यमंत्री का चेहरा पहले ही घोषित कर दिया है और अब जनता के सामने हमारा 'तेजस्वी प्रण पत्र' है, जो बताता है कि आने वाले पांच वर्षों में हम बिहार के लिए कैसे काम करेंगे।

दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का घोषणा पत्र 30 अक्टूबर को जारी किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, एनडीए का घोषणा पत्र ÷विकसित बिहार÷ शीर्षक से जारी किया जाएगा, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में खगड़िया की रैली में संकेत दिए थे कि बिहार डबल इंजन की सरकार के साथ विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्यापारी व मंडी कर्मचारियों की मिलीभगत से शासन के पैसों की हो रही बर्बादी

बिना सेल टैक्स व बिना अनुज्ञा के निकल रहे अनाज से भरे वाहन

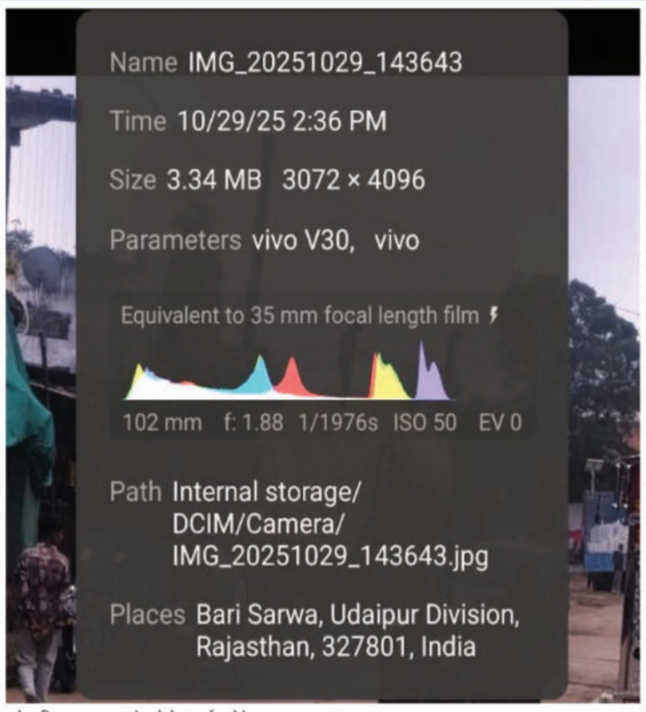

बडी सरवा के व्यापारी के यहा से सोयाबिन ट्रक में हुआ लोड, जिसका मय प्रुफ के फोटो व लाईव लोकेशन।

राजस्थान बडी सरवा से भरा सोयाबिन सैलाना मंडी की फर्जी अनुज्ञा पर थांदला मंडी कर्मचारी की रेहमत से बामनिया व्यापारी के पास पहुचा सोयाबिन।

माही की गूंज, खवासा।
सुनिल सोलंकी

ग्रामीण अंचलों में इन दिनों व्यापारी व मंडी कर्मचारियों की मिली भगत से बल्ले-बल्ले हो रही है। व्यापारी व मंडी कर्मचारियों की आपसी साठ-गाठ होने के कारण शासन को सेल टेक्स व अनाज पर लगने वाला मंडी कर की राशि की चोरी, मंडी कर्मचारी व व्यापारियों की मिली भगत से हो रही है। जानकारो के अनुसार बताते हैं, जिस व्यापारी के यहां से अनाज भरा जाता है उसकी अनुज्ञा कटतीं है। ऑनलाइन अनुज्ञा काटने के साथ ही गाड़ी में कितने बारदान व कितने कट्टे भरे गए हैं और गाड़ी में क्या है, सोयाबीन है या गेहूं आदि है इसका सत्यापन करने के लिए मंडी कर्मचारियों को नियुक्त कर रखा है। लेकिन मंडी कर्मचारी, व्यापारियों से अच्छा खासा माल लेने के बाद कितने की अनुज्ञा कट्टी और कितना ट्रक मे माल लोड इसकी जांच पड़ताल तक नहीं करते हैं। बस झूठी वहां-वाही लूटने के साथ ही व्यापारियों से अच्छी खासी रकम लेने के बाद गाड़ी को छोड़ देते हैं।

कुछ ऐसा ही मामला प्राप्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर में सामने आया। जहां व्यापारी अशोक अग्रवाल की गाड़ी एपी 45 टी 0710 राजस्थान के बड़ी सरवा के व्यापारी के यहां से लोड होते हुए राजस्थान बॉर्डर क्रॉस करते हुए परवाड़ा भामल होते हुए खवासा की ओर से बामनिया की ओर निकली। अपशिष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी बड़ी सरवा के व्यापारी ने सोयाबीन लोड ट्रक में कर बामनिया अशोक अग्रवाल की कॉटन इंडस्ट्रीज में पहुंची। जो नारेला रोड बामनिया पर स्थित है।

ड्राइवर ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि, गाड़ी 2:34 पर लोड होकर बड़ी सरवा से निकली। गाड़ी बामनिया जाना थी मंडी कर्मचारियों हर्षित यादव ने खवासा गाड़ी को रोका तो हमने सेठ अशोक अग्रवाल से चर्चा कराई तो उन्होंने मंडी कर्मचारी से बात करते हुए अनुज्ञा बताई। उसके बाद मंडी कर्मचारियों ने अनुज्ञा को देखकर गाड़ी छोड़ दी। मंडी कर्मचारिय ने बताया कि, अनुज्ञा कटी हुई है और विनायक ट्रेडर्स अमरपुरा बाजना के नाम से जो सैलाना मंडी की तरफ से बाजना के नाम से कटी हुई है इसलिए हम कार्रवाई नहीं कर सकते। मंडी कर्मचारियों से कहा कि गाड़ी राजस्थान से लोड होकर आई है और हमारे पास फोटो है? तो उन्होंने कहा कि, सैलाना वाले मण्डी कर्मचारियो को इसमें जांच करना चाहिए। हमारे सूत्र ने हमको बताया कि बड़ी सरवा से गाड़ी लोड हुई तो उन्होंने कोई भी प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया और कहा कि, यह तो आप ऊपर शिकायत करोगे तो मामला जांच में हो सकता है। अब मंडी कर्मचारियों की इसमें मिली भगत कहे या व्यापारियों से साठ गाठ। इस तरह से मंडी कर्मचारी व व्यापारी मिलकर शासन को टैक्स की चोरी कर रहे हैं। तो वहीं राजस्थान से अगर व्यापारी माल लोड कर रहा है, तो राजस्थान के मंडी प्रशासन को भी टैक्स की चोरी हो रही है। इसमें जांच करना चाहिए तथा जो भी हो कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन यहां कार्रवाई करें कौन? क्योंकि यहां विभागीय अधिकारी से व्यापारियों की मिली भगत करके मामला रफा-दफा कर देते है।

चर्चित राजा हत्याकांड: आरोपी सोनम पर हत्या और सबूत मिटाने के आरोप तय

इंदौर।

चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले की अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। इन आरोपियों में मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी, उसका प्रेमी राज कुशवाहा, और तीन अन्य आरोपी आनंद कुर्मी, विशाल चौहान, आकाश राजपूत शामिल हैं।

अदालत ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 238(ए) (सबूत मिटाना) और 61(2) (आपराधिक साज़िश) के तहत आरोप तय किए।

पुलिस ने 5 सितंबर को सोहरा उप-विभागीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में 790 पृष्ठों की चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को आरोप तय करते समय अदालत ने कहा कि पहली नज़र में पांचों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

हालांकि बचाव पक्ष का कहना है कि आरोपी निर्दोष हैं। मामले की सुनवाई (ट्रायल) जल्द शुरू होने की संभावना है। आरोपियों ने निचली अदालतों में जमानत के लिए आवेदन भी किया था, जो खारिज हो चुका है।

इधर पुलिस अब अन्य तीन आरोपियों सिलोम जेम्स, लोकेंद्र तोमर और बलबीर अहिरवार के खिलाफ दूसरी चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। इन तीनों को सबूत नष्ट करने में कथित भूमिका के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सीएम मोहन यादव ने बिहार में विकास और विरासत के नाम पर मांगे वोट

पटना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार की कटोरिया, नाथनगर और आलमनगर विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों, किसान सम्मान निधि और महिलाओं को मिली आर्थिक सहायता का उल्लेख किया। डॉ. यादव ने कांग्रेस पर किसानों की उपेक्षा करने और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बिहार के गौरवशाली इतिहास पर जोर देते हुए जनता से एनडीए को समर्थन देने की अपील की।

डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को बिहार के बांका जिले की कटोरिया विधानसभा, भागलपुर जिले की नाथनगर विधानसभा और मधेपुरा जिले की आलमनगर विधानसभा में चुनाव प्रचार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार के अंदर आगे बढ़ने-विकास करने की अपार क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया भारत को सम्मान की दृष्टि से देख रही है। एनडीए सरकार के जरिये बिहार और देश आगे बढ़ें। हमारा मानना है कि हर घर का बेटा आगे बढ़ना चाहिए।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक के बाद एक धार्मिक पर्यटन के केंद्र बनते जा रहे हैं। कभी कोई कल्पना कर सकता है कि भगवान राम-कृष्ण के देश में उनका ही विरोध होगा। कांग्रेसी किस मुंह से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेसियों ने तो सवाल किया कि इसका क्या प्रमाण है कि भगवान राम कहां पैदा हुए। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं ने हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र देकर भगवान राम पर प्रश्न खड़े किए। माता सीता ने बिहार में जन्म लेकर राम राज्य की स्थापना की। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीता माता के जन्म स्थान को भी भव्य तीर्थ स्थल बना रहे हैं। कांग्रेस और उनके साथियों की इतनी सरकारें रहीं, लेकिन किसी ने इस ओर नहीं सोचा

भारत के समुद्री क्षेत्र पर दुनिया को पूरा भरोसा-प्रधानमंत्री मोदी

मुंबई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुंबई में आयोजित भारत समुद्री नेतृत्व सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि, 21वीं सदी के इस दौर में भारत का समुद्री क्षेत्र तेज गति और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत के बंदरगाह विकासशील देशों में सबसे अधिक सक्षम और कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष साबित हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि, हाल ही में विझिंजम बंदरगाह भारत का पहला गहरे पानी का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बना है, जिसका संचालन शुरू हो गया है। वर्ष 2024-25 में भारत के प्रमुख बंदरगाहों पर सर्वाधिक माल संभालने का कार्य हुआ है, जो एक नया रिकॉर्ड बनेगा। पहली बार कांडला बंदरगाह में मेगावाट स्तर पर हरित हाइड्रोजन सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जेएनपीटी की माल संभालने की क्षमता दोगुनी हो गई है और यह देश का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह बन गया है। इस विस्तार में सिंगापुर के निवेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के बंदरगाह अब न केवल विकासशील देशों में बल्कि कई मामलों में विकसित देशों के बंदरगाहों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष समुद्री क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं। औपनिवेशिक काल के पुराने कानूनों को समाप्त कर आधुनिक कानून लागू किए गए हैं, जो समुद्री बोर्डों को सशक्त बनाते हैं और बंदरगाह प्रबंधन में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बताया कि एक राष्ट्रदृएक बंदरगाह प्रक्रिया को मानकीकृत किया गया है और तटीय नौवहन अधिनियम के तहत व्यापार को सरल बनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतर्देशीय जलमार्गों में 700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चालू जलमार्गों की संख्या 3 से बढ़कर 42 हो गई है। बंदरगाहों का वार्षिक अधिशेष नौ गुना बढ़ा है। भारत का औसत कंटेनर संचालन समय तीन दिन घटा है और पोत परिचालन समय 96 घंटे से घटकर 48 घंटे रह गया है, जिससे भारत के बंदरगाह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन अब वैश्विक आयोजन बन चुका है और इसमें 85 से अधिक देशों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि दुनिया को भारत के समुद्री क्षेत्र की क्षमता और विश्वसनीयता पर भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत समुद्री दृष्टि के अंतर्गत 150 से अधिक नई पहलें शुरू की गई हैं, जिनसे समुद्री क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन आए हैं। भारत के प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है और जलमार्गों पर माल ढुलाई में भारी वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार 70 हजार करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, जिससे देश में रसद क्षमता, दीर्घकालिक वित्त पोषण, हरित विकास और उन्नत बंदरगाह परियोजनाएं विकसित होंगी।

रीवा एयरपोर्ट पर विमान का सफल ट्रायल

रीवा।

रीवा एयरपोर्ट पर विमान का सफल ट्रायल हुआ। जिससे दिल्ली, इंदौर और मुंबई के लिए सीधी उड़ानें जल्द शुरू होंगी। एलायंस एयर नवंबर 2025 से और इंडिगो एयरलाइंस जनवरी 2026 से अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। डिप्टी सीएम ने इसे विंध्य क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण कदम बताया।

चोरहटा स्थित रीवा एयरपोर्ट पर मंगलवार को पहली बार 72 सीटर विमान ने सफलतापूर्वक लैंडिंग की। इससे पहले रीवा एयरपोर्ट पर सिर्फ 19 सीटर विमान ही उड़ान भरते थे। सफल ट्रायल के बाद अब जल्द ही रीवा से दिल्ली, इंदौर और मुंबई के लिए नियमित फ्लाइटें शुरू होंगी।

मंगलवार दोपहर एलायंस एयर कंपनी की टेस्ट फ्लाइट जबलपुर से उड़ान भरकर रीवा एयरपोर्ट पहुंची। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और एलायंस एयर के इंजीनियर्स की टीम ने रनवे, सुरक्षा, और टेकऑफ पैरामीटर्स की जांच की। निर्धारित मानकों के परीक्षण के बाद लैंडिंग को पूरी तरह सफल घोषित किया गया।

रीवा से पहली बार बड़े विमान की सफल लैंडिंग पर प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने प्रसन्नता जताई है। उन्होंने कहा कि यह विंध्य क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम है और अब रीवा सीधे देश के प्रमुख शहरों से जुड़ेगा।

भाजपा के दीपावली मिलन समारोह में आदिवासी नेता अजमेर सिंह भूरिया को नहीं मिली मंच पर जगह

समर्थकों ने जताया विरोध, सोशल मीडिया पर निकाला गुस्सा, पूर्व में भी हो चुके है उपेक्षा का शिकार

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

दीपावली मिलन समारोह पर सजा भाजपा का मंच।

रविवार को भाजपा का दीपावली मिलन समारोह नगर के एक निजी गार्डन में सम्पन्न हुआ। आयोजन में केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ,सांसद अनिता नागरसिह चौहान सहित विधानसभा पेटलावद के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त भी हो गया लेकिन आयोजन के बाद हर आयोजन की तरह यहां भी बखेड़ा शुरू हो गया। स्थानीय नेताओं की उपेक्षा का शिकार के आरोपों से घिरी क्षेत्र की विधायिका और केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई।

आदिवासी नेता की उपेक्षा बता कर कार्यकर्ताओं ने लगाए आरोप

आयोजन स्थल पर वरिष्ठ और संगठन के बड़े पदाधिकारियों को बैठने के लिए बड़ा मंच तैयार किया गया था। विधानसभा के 06 मंडलों के अध्यक्ष सहित कई मोर्चा के जिलाध्यक्ष ओर दूसरे वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री ओर सांसद के साथ स्थानीय नेताओ ने मंच साझा किया। एक-एक कर कई नेताओं को मंच पर बुलाया गया ओर फिर नेताओं के स्वागत की बेला शुरू हो गई। इस दौरान अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के पति अजमेर सिंह भूरिया जो कि आयोजन में उपस्थित हुए थे उनको मंच पर जगह नहीं दी गई। जबकि किसान मोर्चा,पिछड़ा वर्ग मोर्चा और अजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मंच पर मौजूद रहे। काफी देर के बाद अजमेर सिंह भूरिया को नहीं बुलाए जाने की भनक लगने के बाद भूरिया को मंच पर बुलाने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने कार्यकर्ताओं के बीच बैठने का ही निर्णय लिया। अजजा मोर्चे के अध्यक्ष के अपनाम की बात उनके कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरी और सोशल मीडिया पर इस प्रकार से हुए अपमान को गलत बताते हुए जिले को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बता कर आदिवासी नेता का अपमान बताकर विरोध दर्ज करवाया।

मामले में अजजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया ने बातचीत में इस मामले में कोई नाराजगी व्यक्त नहीं की ओर खुद को जमीनी कार्यकर्ता बताते हुए जमीन पर कार्यकर्ताओं के साथ रहने ओर बैठने पर खुशी जाहिर की। उधर समर्थकों के विरोध पर उन्होंने कहा कि, किसी की भावनाओ को मैं नहीं रोक सकता हु।

मुख्यमंत्री के मंच पर भी नहीं मिली थी जगह

अजमेर सिंह भूरिया क्षेत्र में बड़े भाजपा नेता के रूप में जाने जाते है और जिला पंचायत चुनाव में उनकी पत्नी अनु भूरिया को दस हजार से अधिक वोटों से रिकॉड जीत दर्ज की थी। जिला पंचायत अध्यक्ष में भी अनु अजमेर भूरिया का नाम वोटिंग से ठीक पहले बदल दिया गया था। अजमेर सिंह भूरिया वर्तमान में अजजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष हैं और पूर्व में होली मिलन समारोह के दौरान भी उपेक्षा का शिकार हो चुके है। वही 12 सितंबर को मुख्यमंत्री के पेटलावद दौरे पर भी मंच पर नाम नहीं था। जबकि उनके कई जूनियर नेता मंच पर मौजूद थे। विधायक निर्मला भूरिया केबिनेट मंत्री बनने के बाद से बदली-बदली नजर आ रही है और स्थानीय पार्टी और संगठन पर उनकी कसावट साफ देखी जा रही है। कई स्थानीय नेताओं को उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है। वही मंत्री, पेटलावद क्षेत्र में लगातार आवाजाही के बाद भी मीडिया के सामने आने से बचती दिखाई देती है। साइकिल वितरण जैसे छोटे आयोजन में विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह पहुंच कर भाग लिया। जिससे स्थानीय जनप्रतिनिधियों को लांच होने का मौका भी नहीं मिल पाया। वहीं प्रशासन में स्थानीय अधिकारियों की लगातार शिकायतों के बाद भी कार्यकर्ताओ की सुनवाई नहीं होना भी मंत्री जी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

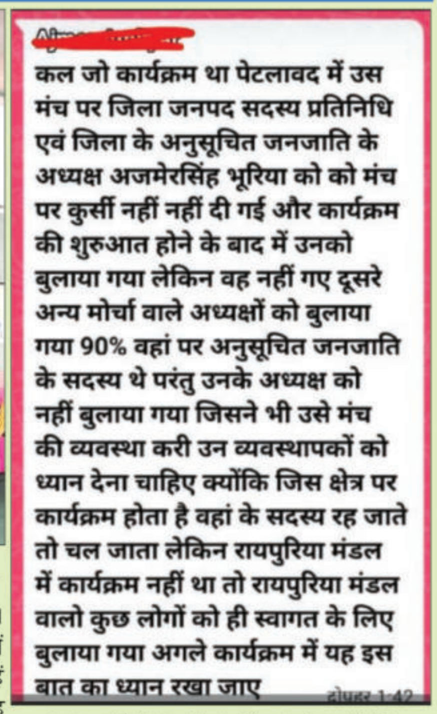
कल जो कार्यक्रम था पेटलावद में उस मंच पर जिला जनपद सदस्य प्रतिनिधि एवं जिला के अनुसूचित जनजाति के अध्यक्ष अजमेरसिंह भूरिया को को मंच पर कुर्सी नहीं नहीं दी गई और कार्यक्रम की शुरुआत होने के बाद में उनको बुलाया गया लेकिन वह नहीं गए दूसरे अन्य मोर्चा वाले अध्यक्षों को बुलाया गया 90% वहां पर अनुसूचित जनजाति के सदस्य थे परंतु उनके अध्यक्ष को नहीं बुलाया गया जिसने भी उसे मंच की व्यवस्था करी उन व्यवस्थापकों को ध्यान देना चाहिए क्योंकि जिस क्षेत्र पर कार्यक्रम होता है वहां के सदस्य रह जाते तो चल जाता लेकिन रायपुरिया मंडल में कार्यक्रम नहीं था तो रायपुरिया मंडल वालो कुछ लोगों को ही स्वागत के लिए बुलाया गया अगले कार्यक्रम में यह इस बात का ध्यान रखा जाए

इस प्रकार की पोस्ट व्हाट्असब ग्रुप में डाल कर जताया विरोध।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण

रेलिंग विहीन पुलिया के ऊपर से निकल रहा पानी, दुर्घटना को खुला आमंत्रण

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद से सटी ग्राम पंचायत अन्नत खेड़ी में पम्पावती नदी पर बने एक पुलिया पर रेलिंग टूटे कई वर्ष हो गए लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। विगत तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद पानी पुल के ऊपर से बह निकला तो ग्रामीणों को खासी परेशानी हुई। स्कूली बच्चें परेशान दिखे। पेटलावद नगर से लगी हुई इस ग्राम पंचायत तक यह मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में बना है। ग्राम पंचायत अन्नतखेड़ी में कुल आबादी 4500 के आसपास है। ग्राम के पास से ही नदी बह रही है। जबकि नदी के दूसरी और भी रहवासी इलाका है। इस क्षेत्र में जिनमें सिंगाड़ फलिया, भेरू फलिया, सुवापाट फलिया, अमलियार फलिया, डामर फलिया में यहां के बच्चे भी स्कूल जाने के लिए यही से आना जाना करते है। जबकि अन्नत खेड़ी के किसान भी इसी मार्ग से आना जाना करते है। भारी बारिश के बीच जब बुधवार की सुबह जब पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगा तो ग्रामीणों में सोशल मीडिया पर इस लापरवाही को लेकर तंज कसे।

इसके बाद सरपंच राजू भाभर मौके पर पहुंचे और पुलिया पर लगे हुए गेट को जेसीबी की मदद से निकाला। ग्रामीणों ने बताया कि, पिछ्ले कई सालों से पुलिया रेलिंग विहीन है लेकिन जिम्मेदार कोई सुध नहीं ले रहा है। सरपंच राजू भाभर ने बताया कि, मैने इस मामले में पहले भी विभाग के इंजिनियर को समस्या के बारे में बता दिया था।

अधिकारियों की लापरवाही

पेटलावद से अन्नतखेड़ी जाने वाले इस चार किलोमीटर के मार्ग का निर्माण प्रधामनंत्री सड़क योजना में किया गया था। मार्ग के निर्माण के बाद पुलिया पर लोहे की रेलिंग लगाई गई थी लेकिन कुछ ही समय में रेलिंग टूट गई जिसके बाद से रेलिंग टूटी हुई है। लगातार बारिश में ग्रामीणों को इस पुल से गुजरने के लिए संघर्ष करने पर मजबूर है। रेलिंग टूटने के बाद लगातार स्थानीय ग्राम पंचायत ने प्रधानमंत्री सड़क निर्माण के अधिकारीयो को अवगत करवाया लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

तहसीलदार को धारा 170 के अधिकार प्रदत्त

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला दंडाधिकारी झाबुआ नेहा मीना द्वारा आदेश जारी किया गया है कि, अनुविभागीय दण्डाधिकारी राजस्व को दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों में से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 16 एवं धारा 17 में निहित प्रावधानों के तहत धारा 170 के अधिकार अन्य आदेश पर्यन्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को उनके क्षेत्राधिकार में प्रदान किए गये।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया शुरू

माही की गूंज, झाबुआ। मंगलवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम, प्रक्रिया और इस संबंध में निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गईं। बताया कि, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी 3 नवम्बर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम्बर को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावा-आपत्तियों के आवेदन 9 दिसम्बर से 8 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों की सुनवाई और प्रामाणिकरण के बाद 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि, इस विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से शुद्ध मतदाता सूची पारदर्शी रूप से तैयारी की जाएगी। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा भी उन्होंने व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम और दिए गए दिशा- निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नहीं और अपात्र का नाम जुड़े नहीं। जिले के सभी मतदान केन्द्रों के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की नियुक्ति कर उन्हें उक्त कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। बताया गया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी रहेगा। उक्त अधिकारी प्रारूप मतदाता सूची तैयार करने, प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्ति लेने और निर्णय करने तथा अंतिम मतदाता सूची तैयार कर प्रकाशित करने के कार्य करेंगे। प्रत्येक तहसील के लिए एक सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के विरूद्ध की गई प्रथम अपील को सुनेंगे। जिला मजिस्ट्रेट के विरूद्ध की गई द्वितीय अपील को राज्य के मुख्यनिर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सुनवाई की जाएगी। बीएलओ प्रत्येक मौजूदा मतदाता को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। मतदाता को अपना नाम या अपने परिजन का नाम वर्ष 2002-2004 के दौरान आयोजित पिछ्ले पुनरीक्षण से मिलान या लिंक करने में मदद करेंगे। नए मतदाताओं के नाम को जोड़ने के लिए फॉर्म-6 और घोषणा प्रपत्र एकत्र करेंगे तथा मिलान,लिंकिंग में सहायता करेंगे। मतदाता को गणना प्रपत्र भरने एवं एकत्र करने में सहायता करेंगे ओर ईआरओ,एईआरओ को जमा करेंगे। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पर कम से कम 3 बार जाएंगे। मतदाता, विशेषकर शहरी या अस्थायी रूप से स्थानांतरित व्यक्ति ईएफ ऑनलाइन भी भर सकते हैं। बीएलओ ऐसे मतदाताओं की पहचान करेंगे जो मृत हैं, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं या एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हैं। गणना चरण के दौरान ईएफ के साथ किसी अन्य दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है। ईआरओ/एईआरओ जिन निर्वाचकों के गणना प्रपत्र प्राप्त हो गए हैं, उनके नाम प्रारूप सूची में शामिल करेंगे। जिन निर्वाचकों के नामों का पिछ्ले एसआईआर से मिलान, लिंकिंग नहीं हो सका है उन्हें नोटिस जारी करेंगे। ऐसे मामलों की सुनवाई कर उनकी पात्रता निर्धारित करेंगे और उनके नामों को अंतिम नामावली में शामिल या वर्जित करने का निर्णय लेंगे। ईआरओ/एईआरओ सुनिश्चित करेंगे कि, कोई भी पात्र नागरिक ना छूटे, कोई भी अपात्र व्यक्ति सम्मिलित ना हो। मतदाताओं के सहयोग के लिए वॉलेंटियर भी नियुक्त किए जाएंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार यह सुनिश्चितकिया जाएगा कि किसी भी मतदान केन्द्र में 1200 से अधिक मतदाता नहीं हो, इसके लिए मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण किया जाए।

भ्रष्टाचार की नींव पर बना रहे शिक्षा के मंदिर के कक्ष आखिर कितने साल चल पाएंगे...?

मामलाः खवासा कन्या स्कूल के अतिरिक्त कक्ष का

माही की गूंज, खवासा। सुनील सोलंकी

एक तरफ जहा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई तरह के जतन करने के साथ ही बजट आवंटित करती है। जिसमें अतिरिक्त कक्ष भवन बनाने का कार्य भी शिक्षा के मंदिर में क्या जाता है जिसकी लागत भी लाखों रुपए होती है। लेकिन भवन बनाने में ठेकेदार व निर्माण एजेंसी किस तरह से कार्य करती है और सरकारी पैसों की बंदर बाट की जाती है यह किसी से छुपा नहीं है। एक तरफ जा सरकार जीरो टारलेंस बात करते हो भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करती है। वही जिसकी मानीढिंग करने का जिम्मा है वह तो ठेकेदार से हाथ मिलाकर भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगा रहे है। माही की गूंज ने पिछले अंक में भी खवासा शा.कन्या स्कूल अतिरिक्त कक्ष में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर मामला प्रमुखता से उठाया था। लेकिन विभागीय अधिकारियों ने ठेकेदार के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई।लेकिन समाचार प्रकाशित होने के बाद निर्माण कार्य करने वाला ठेकेदार ऐसा बोखलाया कि, मानो उसके पेरो तले जमिन निकल गई हो और अपने राखी दोरे के भाई, कन्या स्कूल के शिक्षकगण से फोन लगवाकर स्कूल में बन रहै अतिरिक्त कक्ष के भ्रष्टाचार को उजागर आगे से हो प्रयास किया गया। तथा जहा निर्माण के दोरान तरी तक नही की गई थी वहा समाचार प्रकाशित होने के बाद मोटर व पाईप लेजाकर तरी कर अपने भ्रष्टाचार को दबाने का प्रयास भी किया गया।

बतादे कि, स्कूल स्टाप के कई प्रयासो के बाद कलेक्टर द्वारा स्वीकृत की गई राशि के माध्यम से दो अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कन्या शाला में ठेकेदार के मार्फत करवाया जा रहा है। निर्माण एजेंसी ग्रामीण यांत्रिक सेवा संभाग झाबुआ है तथा ठेका बामनिया के योगेश शर्मा को मिला हुआ है। बताते हैं योगेश शर्मा ने खवासा कृषि ऊपमंडी में भी कार्य किया था लेकिन उसमें भी घटिया तरीके का निर्माण करके शासन के पैसों की बंदर बाट की थी। जिससे मंडी के उपयंत्री व ठेकेदार की मिली भगत से उसमें भी निम्न व घटिया स्तर का कार्य योगेश शर्मा ने क्या था। उसी तर्ज पर 10-10 लाख के स्वीकृत हुए स्कूल भवन पर भी योगेश शर्मा निम्न व घटिया स्तर का कार्य करके बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

प्राप्त मिली जानकारीनुसार खवासा कन्या स्कूल में दो भवन नए सिरे से बनाने का जिम्मा आरईएस विभाग को ठेकेदार के मार्फत से अलग-अलग बनाना था। लेकिन ठेकेदार व इंजीनियर ने अलग-अलग भवन ना बनाते हुए दोनों भवन एक ही दिवाल के साथ बना दिए। वही जो सरिया व सीमेंट का उपयोग किया गया उसमें भी गोलमोल करके भवन में पतले व निम्न क्वालिटी के सरिए के साथ ही रेत भी सही नहीं लगाई गईं। तो वही निर्माण से छत भराई तक डस्ट चुरी का ही उपयोग किया गया। तो वही समय पर तरी भी नहीं की गई। जिससे कहीं ना कहीं भवन में अभी से दरारों के साथ घटिया निर्माण की पोल खुल रही है। वहीं पिछ्ले अंक में माही की गूंज ने प्रमुखता से समाचार उठाया था उसके बाद ठेकेदार के मजदूरों ने तत्काल छत के ऊपर कार्य शुरू करने के बाद तरी का काम भी शुरू कर दिया है। भवन में कोई कमी ना दिखे उसी को लेकर जहां भी कमी दिखी उसकी भरपाई भी ठेकेदार द्वारा मरम्मत करवाई जा रही है। अब यहां सवाल यह उठता है कि, इस तरह से घटिया हुआ निम्न स्तर का कार्य करने वाले ठेकेदार के ऊपर कोई कार्रवाई भी नहीं कर रहे हैं? जिससे साफ प्रतीत होता है कि विभागीय इंजीनियर की मिली भगत से ही इन भवन में इस तरह से भ्रष्ट कार्य किया जा रहा है।

स्कूल घटिया निर्माणः निर्माण एजेंसी व ठेकेदार मिलकर शासन के पैसों की कर रहे हैं बंदर बाट

माही की गूंज, खवासा।
सुनील सोलंकी

संपादकीय

बिहार में कसौटी पर एसआईआर

उम्मीद के अनुरूप चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दूसरे चरण की विधिवत शुरुआत कर दी है। इस चरण में देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के तकरीब 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिये केवल तीन माह का समय दिया है। लेकिन एक बात तो तय है कि बिहार में एसआईआर पर लंबे समय से चले विवादों के मद्देनजर, इस प्रक्रिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। खासकर उन राज्यों में जहां विपक्षी दल शासित सरकारें हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व महाराष्ट्र से ऐसी प्रतिक्रिया आनी भी शुरू हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिये जरूरी है कि पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में निश्चित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। वहीं अयोग्य मतदाता को हटाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर कोई विवाद नहीं माना जा सकता। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया के मद्देनजर पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही तत्काल सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस बाबत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि आगामी एसआईआर का लक्ष्य मतदाता सूचियों की लंबे समय से लंबित राष्ट्रव्यापी सफाई करना है। ऐसे व्यापक संशोधन देश में समय-समय पर हुए हैं और पिछला संशोधन दो दशक पहले हुआ था। जाहिर बात है कि इस लंबे अंतराल के दौरान मतदाता सूचियों में कई विसंगतियां और त्रुटियां उत्पन्न हो गई होंगी। आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में सूचीबद्ध हैं। देश में निष्पक्ष चुनाव के लिये इन सूचियों का प्रमाणीकरण अपेक्षित है। लेकिन इसके बावजूद विपक्ष दलों की आशंकाओं की अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही लोगों में लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया के प्रति उत्साह बना रहना भी जरूरी है।

दरअसल, कांग्रेस, माकपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों को आशंका है कि एसआईआर का इस्तेमाल अवैध मतदाताओं की पहचान की आड़ में लक्षित वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के लिये हो सकता है। वैसे बिहार में हुई कवायद के बाद ज्ञात नहीं है कि यह प्रक्रिया कितने अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने में सफल रही है। निस्संदेह, चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा उचित प्रक्रिया-परिश्रम और जनता के विश्वास पर ही टिकी है। निर्विवाद रूप से देश में चुनाव कराने वाली शीर्ष संवैधानिक संस्था की ईमानदारी और निष्पक्षता दोषमुक्त होनी ही चाहिए। चुनाव आयोग को व्यापक सत्यापन, इस प्रक्रिया से जुड़े तमाम हितधारकों के साथ विमर्श और वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार को अक्षुण्ण बनाने हेतु एक ठोस निवारण तंत्र विकसित करने की जरूरत है। विपक्षी दलों द्वारा वोट चोरी और अन्य अनियमितताओं के कथित आरोपों का खंडन ठोस सबूतों के साथ किया जाना चाहिए। ताकि जनता में इस प्रक्रिया को लेकर भरोसा कायम रह सके। वैसे एसआईआर के दूसरे चरण का सकारात्मक पक्ष यह जरूर है कि आयोग ने प्रक्रिया के लिये पर्याप्त समय दिया है ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी के आक्षेपों से बचा जा सके। निश्चित रूप से आधार कार्ड को सहायक दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का लाभ प्रक्रिया के सरलीकरण में मिलेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सामने आई चुनौतियां इस दूसरे चरण की प्रक्रिया में मार्गदर्शक का कार्य करेंगी। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दूसरे चरण में शामिल राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों को वैसी परेशानी का सामना न करना पड़े, जैसी कि बिहार के लोगों में सामने आई थी। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि योग्य मतदाता न छूटे और कोई फर्जी मतदाता लिस्ट में शामिल न होने पाए। यहां उल्लेखनीय है कि जिन राज्यों में दूसरे चरण के दौरान मतदाता सूचियों को गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से गुजरना है, उनमें से कुछ में अगले साल चुनाव होने हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु व पुडुचेरी शामिल हैं। बहरहाल, कोशिश हो कि न ही जनता को परेशानी उठानी पड़े और न ही चुनाव कर्मियों में भ्रम जैसी स्थिति बनी रहे।

अमेरिका ने फिर भेजा बेड़ी और हथकड़ी में भारतीयों को

सनत कुमार जैन

अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोज़गार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम नहीं है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमे भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उत्पीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आब्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढे, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर भारत को अपमानित करने के लिए इस तरह से भारतीयों को परेशान कर रही है। भारत सरकार का दायित्व बनता है, वह अपने नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा की निगरानी करे। विशेषकर उन लोगों की जो धोखे या एजेंटों के जाल में फँसकर पढ़ाई अथवा रोजगार के कारण अमेरिका जाते हैं। यह स्पष्ट है, आर्थिक विषमता, शिक्षा सीमापार रोजगार की लालसा, प्रवासन इसका मुख्य कारण है। विदेश में जाकर पढ़ाई और रोजगार करने के लिए कई परिवारों ने जमीन-सम्पत्ति बेच दी। युवाओं ने बड़े कर्ज उठाकर विदेश जाने की कोशिश की। भारत और अमेरिका के ठगों द्वारा मानों उन्हें शिक्षा और रोजगार के नाम पर धोखा देकर ठग लिया गया हो।

ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने कानून में परिवर्तन करके जो कल तक वैध था उसे आज अवैध बना दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका और भारत सरकार के लिए जिम्मेदारी और एक चुनौती है। दोनों देशों के लिए इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की समस्या को कूटनीतिक संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाया जाना जरूरी होता है। पूर्व में हुई सहमति के बावजूद यदि इस तरह का व्यवहार किया जाता है, तो यह दोनों देशों के बीच स्पष्ट तर्क-वितर्क और पारदर्शिता की कमी अथवा जानबूझकर किया जा रहा कृत्य माना जायगा। पीड़ित परिवारों की सुनवाई और दोषी एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है। इस तरह की घटना प्रवासन कानूनी विषय मात्र नहीं है। यह मानवीय, सामाजिक और आर्थिक समस्या से जुड़ा हुआ प्रश्न है। पिछले 8 महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि वह समय-समय पर भारत को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसा क्यों कर रहा है, इस बात की जानकारी भारत सरकार को हो सकती है। भारत सरकार को इस तरह की समस्या के निदान के लिए स्वयं आगे आकर पहल करनी चाहिए थी, लेकिन जिस तरह से भारत सरकार ने चुप्पी साध रखी है उससे सभी को आश्चर्य हो रहा है। इसके पहले भारत और अमेरिका के बीच इस तरह के संबंध नहीं थे। यह भी कहा जाता था कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दोस्ती इतनी मधुर है कि वह उनके चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए अमेरिका चले गए थे। पिछले कई महीनो से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाने से लेकर कारोबार और पाकिस्तान-भारत के संबंधों को लेकर जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उसका कोई जवाब भारत नहीं दे रहा है। इसको लेकर अब लोगों के मन में अमेरिका के साथ-साथ भारत सरकार के प्रति भी गुस्सा देखने को मिल रहा है। लोग कहने लगे हैं कि 1971 में जब भारत इतना मजबूत नहीं था तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका को जो जवाब दिया था उसे आज भी पूरी दुनिया नहीं भूली है। 1971 की तुलना में जब हम 100 गुना ज्यादा सशक्त हैं, ऐसी स्थिति में भारत सरकार की चुप्पी यह बता रही है कि डोनाल्ड ट्रंप जानबूझकर भारत को अपमानित कर रहे हैं। इस कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि पिछले 10 सालों में बनी थी उसको भी सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है। वही आम जनता के मन में यह भय उत्पन्न हो रहा है कि हम पहले जैसे सुरक्षित नहीं रहे। अमेरिका में जिस तरह से प्रवासी भारतीयों के ऊपर हमले बढ़ रहे हैं, उस पर भी भारत सरकार की चुप्पी से लोग हैरान हैं। भारत सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेना होगा नहीं तो अमेरिका आगे चलकर इसी तरीके से भारत को अपमानित करता रहेगा जो भारत के हित में नहीं होगा।

बुनियादी मुद्दों को लेकर उपजे आक्रोश के स्वर

भाषा सिंह

अफ्रीका के मेडागास्कर देश में तख्तापलट हो गया। जेन-ज़ी आंदोलन ने एक और देश में राजनीतिक तब्दीली करवा दी है। सैन्य तख्तापलट करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना नए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले चुके हैं। अगले दो साल सेना सत्ता संभालेगी। आंदोलन के कारण निर्वाचित राष्ट्रपति एंड्री राजोलीना देश छोड़कर भाग गये थे।

मेडागास्कर से पहले नेपाल में भी जेन-ज़ी आंदोलन सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो चुका है। दरअसल एशिया-अफ्रीका-यूरोप के युवा सड़कों पर हैं। वे गुस्से में हैं। ये सारे जेन ज़ी अपने-अपने देशों की सरकारों को हिलाकर, सत्ता में बदलाव चाहते हैं। ये किसी राजनीतिक दल से सीधे-सीधे जुड़े नहीं हैं और न ही इनके बीच कोई बड़ा लीडर है। एशिया के तीन देशों में जेन-ज़ी उभार तख्तापलट करवा चुका है। ये अलग ही किस्म का राजनीतिक उभार है।

हर देश के जेन-ज़ी आंदोलन में एक बात आम है कि वे बुनियादी मांगों के पूरा न होने पर गुस्से में हैं। तकरीबन हर देश में उनका गुस्सा फूटता है और अपने संग तमाम राजनीतिक ढांचों को बहा ले जाता है। यह भी साफ है कि इस युवा पीढ़ी को मौजूदा राजनीतिक तौर-तरीकों यानी फ्रेमवर्क से अपने मसले हल करने में कोई विश्वास नहीं हैं। जेन-ज़ी युवाओं के भीतर मौजूदा भ्रष्ट सिस्टम के प्रति नाराजगी कुछ समय से पलती रहती है और अचानक कोई ट्रिगर प्वाइंट होने पर फट जाता है।

मेडागास्कर से पहले श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल में नेपाल में जिस तरह से युवाओं ने सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के साथ बाकी प्रचलित पार्टियों को किनारे लगाया, वह भी अलग ढंग का राजनीतिक उभार है। सारे जेन-ज़ी विरोधों-प्रदर्शनों के केंद्र में बहुत बुनियादी मांगें हैं- मसलन बेरोजगारी-महंगाई व बेहद भ्रष्टाचार पर गुस्सा, भाई-भतीजावाद पर नाराजगी और खराब सार्वजनिक सेवाओं और बढ़ती गरीबी व असमानता के खिलाफ विद्रोह। लेकिन ये तमाम आंदोलन सत्ता में आमूल-चूल परिवर्तन के बजाय तात्कालिक सत्ता परिवर्तन करने की दिशा अपनाते हैं। इस आंदोलन की पीठ पर सवार होकर सत्ता पर कब्जा करने वाली ताकतों के चेहरे बहुत बाद में सामने आते हैं और उन्हीं के पास नेतृत्व चला जाता है।

अफ्रीका के कई देशों, जैसे दक्षिण अफ्रीका, मोरक्को, नाइजीरिया और केन्या में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं और हर जगह कमान युवाओं के हाथ में है। युवा पीढ़ी को मौजूदा राजनीतिक सिस्टम और पार्टियों से दिक्कत है। नेपाल में जैसे नेपो किड्स यानी नेताओं के ऐशो-आराम में डूबे बच्चों पर गुस्सा फूटा था, बेरोजगारी पर उबाल आया था और इसमें रैपर्स, हिप-हॉप गायकों ने अहम भूमिका निभाई, ठीक उसी तरह मोरक्को में युवा आक्रोश सड़कों पर उतरा।

मेडागास्कर में तख्तापलट की कहानी देखें तो महज कुछ हफ्तों से युवा मौजूदा निज़ाम के खिलाफ पानी और बिजली की कमी, बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ़ सड़कों पर उतरे थे। सरकार ने जब इस आंदोलन की दमन किया, तब सेना की कई यूनिटों ने प्रदर्शनकारियों का साथ दिया। राष्ट्रपति के भागने के बाद कमान सेना ने संभाल ली। हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस तख्तापलट को असंवैधानिक बताया और अफ्रीकी संघ ने भी इस कदम को खारिज किया। देश को अब एक सैन्य परिषद चलाएगी और सेना के मुताबिक दो साल के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। सवाल है मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट जेन-ज़ी आंदोलन की अपरिपक्वता का परिणाम है और क्या इससे बाकी देशों में जारी आक्रोश की कोई कड़ी मिलती है।

अफ्रीका के ही एक दूसरे देश- मोरक्को में भी चल रहा है जबर्दस्त आंदोलन। मोरक्को के युवा खुद को जेन-ज़ी 212 कहते हैं। वहां स्वास्थ्य सेवाओं की भयानक हालत और महिलाओं की मौतों ने आक्रोश को भड़काया। युवाओं ने टिकटॉक, इंस्टाग्राम जैसे माध्यमों का इस्तेमाल कर ऑनलाइन समर्थन जुटाया और बड़ी लामबंदी 3 अक्तूबर से शुरू की। आंदोलनकारी कहते हैं कि उनका किसी राजनीतिक विचारधारा से जुडाव नहीं है। वे प्रधानमंत्री के इस्तीफे और अपने गिरफ्तार साथियों की रिहाई की मांग लेकर सड़क पर हैं। जेन-ज़ी मोरक्को सरकार की फिजूलखर्ची से नाराज हैं, 2030 में फीफा वर्ल्ड कप के लिए देश भर में भारी लागत से स्टेडियम और लग्जरी होटल बनाए जा रहे हैं, जबकि साधारण नागरिकों के पास न तो अस्पताल हैं और न ही नौकरियां।

सरकार को जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करना चाहिए। बुनियादी मांग को लेकर शुरू हुए आंदोलन ने मोरक्को के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। जब उनके आंदोलन का दमन किया गया तब इस विरोध ने उग्र स्वरूप अख्तियार कर लिया।

इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में सेवा वितरण और आर्थिक मुद्दों को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। नाइजीरिया और केन्या के युवाओं में भी गुस्सा फूट रहा है। दुनिया भर में जारी जेन-ज़ी आंदोलनों में कॉमन यह है कि युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। सेलेब्रिटीज इस आंदोलन से जुड़ते हैं और इसे आगे बढ़ाने में सक्रिय योगदान देते हैं। मोरक्को में हिप-हॉप गायकों व फुटबॉल सितारों ने आंदोलन की मांगों का समर्थन किया।

क्या ऐसे आंदोलन बाकी जगह भी फैलेंगे? बहुत मुमकिन है, लेकिन कितने कामयाब होंगे, कहना मुश्किल है।

मिले सुर मेरा तुम्हारा... पर क्या सच में मिल रहा

ज्योति मल्होत्रा

मिले सुर मेरा तुम्हारा... पर क्या सच में मिल रहा

बीते शुक्रवार पीयूष पांडे का निधन हो गया, उसी हफ्ते जब फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत में प्रवेश से वर्जित कर दिया गया। विज्ञापन जगत के इस गुरु, जिन्होंने 1988 में दूरदर्शन के लिए 5.36 मिनट के 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत के बोल लिखे थे, अगर उन्हें पता चलता कि स्कूल ऑफ़ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़ की इस प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू विदुषी को मार्च माह में वीज़ा शर्तों का उल्लंघन करने की वजह से गत सप्ताह लंदन वापस भेज दिया गया, तो उन्हें दुःख होता। हालांकि यह ठीक है, उस समय ओरसिनी पर्यटक वीज़ा पर थीं, फिर भी शोधकार्य कर रही थीं - स्पष्टतः गृह मंत्रालय ने 40 सालों से भारत में काम कर रही इस प्रसिद्ध बहुभाषी इतिहासकार को स्वीकार नहीं किया। शायद, उनके सुर नहीं मिले।

पीयूष पांडे को उनके फेविकोल एड कैंपेन के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने विविधतापूर्ण ऐसे राष्ट्र के बारे में एक अहम संदेश दिया, जो कुछ भी हो, अच्छे-बुरे, हर समय में एकजुट रहकर सफलता अर्जित करता है।

यहां मुख्य बात है, 'एकजुटता कायम रहना'। भारत 78 साल का हो गया और यह एकजुटता कमोबेश बनी रही - कभी ज़्यादा, कभी कम। आपके वैचारिक रुझान के आधार पर, हम इस पर बहस कर सकते हैं कि चीजें किस हद तक बिखर रही हैं या नहीं। जो इस विचारधारा के हैं कि चीज़ें बिखर नहीं रहीं वे मिसाल देंगे कि पंजाब में कार्यरत करीब 10 लाख बिहारी प्रवासी मज़दूर, जिनको तीन दिवसीय छठ पूजा उत्सव मनाने के लिए घर ले जाने वाली ट्रेनों का आवागमन सुव्यवस्थित करने में भाजपा कृत संकल्प है। एक कहावत प्रयोग करें तो, भाजपा यह सुनिश्चित करने में कसर नहीं छोड़ रही कि यह प्रक्रिया सुचारू रहे। यह एक चतुर चाल है। बेशक, इसका मकसद दोनों राज्यों में भाजपा की राह आसान करना है - बिहार में चुनाव नजदीक हैं, छठ के तुरंत बाद, और पार्टी को आस है कि घर वापसी की सुखद रेल यात्रा बिहारी मजदूरों को तय करने में मदद करेगी कि उन्हें किस तरफ वोट करना है।

जिन्हें लगता है कि चीज़ें बिखर रही हैं, वे उदाहरण देंगे भारत से फ्रांसेस्का ओरसिनी के निष्कासन कादृ पहेली यह कि ऐसा क्यों किया गया, क्योंकि 'वीज़ा शर्त उल्लंघन' के अलावा कोई असल कारण नहीं बताया। पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शैली वालिया ने 'द ट्रिब्यून' में पिछले कल अपने लेख में शैक्षणिक स्वतंत्रता कायम रखने की दलील दी है, लेकिन उल्लेखनीय है कि कुछ बुद्धिजीवियों - रामचंद्र गुहा, मुकुल केसवन आदि - के अलावा देश में लेक्चरर्स, शिक्षकों या प्रोफेसरों का कोई समूह भारत से ओरसिनी के निष्कासन का विरोध करने को खड़ा नहीं हुआ।

शायद बढ़ती खामोशी ही समस्या की जड़ है। कम लोग ही अपनी बात रख रहे हैं। चूंकि लोकतंत्र मतभेद व असहमतियां जीवित रखने को विपक्षी दलों पर निर्भर रहते हैंकृसिवाय इसके कि आजकल विपक्षी दल या तो सिमटे पड़े हैं या फिर अप्रासंगिक हो रहे हैं- बहस करने वाले भारतीय दुर्लभ और पस्त हैं। शायद सबसे बड़ा असर भारत की विदेश नीति और खासकर भारत की अमेरिका को लेकर नीति पर होने वाली बहस पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के नाम का गलत उच्चारण कर इसे आसान नहीं बनाया। जो व्हाइट हाउस में अपने डेस्क पर बैठ 'हैप्पी दिवाली' का संदेश लिख रहे ट्रंप के दाईं ओर खड़े दिखे। वह संदेश जिसका मंतव्य भारत के लिए बधाई का क्षण होना था दृ आखिर कितने राष्ट्राध्यक्षों ने आपके त्योहार को अपना मानकर अपनाया है?दृ पर यह मौका बड़ा हास्यास्पद क्षण बनकर रह गया।

तो क्या यह पूछने का सही समय है कि क्या मोदी सरकार की अमेरिका नीति ने भारत को असफल बना दिया? निश्चित रूप से, ट्रंप उन नेताओं में नहीं जिनके साथ दोस्ती आसान होदृ वे एक आत्मकेंद्रित और अहंकारी व्यक्ति हैं। लेकिन यह भी असलियत है कि भारत ने इससे कहीं ज़्यादा विकट संकटों का सामना किया और वजूद बनाए रखा। ऐसे दो उदाहरण हैं - पहला, 1998 के परमाणु परीक्षणों उपरांत प्रतिबंध काल, जब बिल क्लिंटन और उनकी सरकार ने पूरी तरह भारत पर दबाव बना रखा था; तथापि, अमेरिका में भारत के तत्कालीन राजदूत नरेश चंद्रा ने धैर्य रखा व झुकने से इनकार कर दिया। दो साल बाद क्लिंटन भारत आए व पांच दिन खुशी-खुशी बिताए।

दूसरा उदाहरण है जब जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने भारतीय राजदूत रोनेन सेन की थोड़ी मदद से, अपनी रणनीतिक टीम के प्रभाव से बाहर निकल,भारत के साथ परमाणु समझौता किया था। सेन ने इस काम में खासकर अमेरिकी व्यवसायियों को लगाया था- जिनमें कई भारतीय मूल के थे।

तब फिर इस साल की शुरुआत में ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी होने और टेक्सास के एक स्टेडियम में 'अब की बार... ट्रंप सरकार' के नारे की गूंज के बीच प्रधानमंत्री मोदी के साथ की परिक्रमा की यादें पूरी तरह भुला देने के बाद से हालात क्यों बिगड़ते गए? यह सवाल कई बार पूछा गया- पहले तब जब ज़ंजीरों में जकड़े भारतीयों को, जिनमें अधिकांश पंजाबी मूल के थे, हवाई जहाजों में भरकर भारत वापस भेजा गया- इससे पूर्व ट्रंप सत्ता में आने पर ' बाहरी अवांछित लोगों' को वापस भेजने की हुंकार भर रहे थे और इसका पहला निशाना भारतीयों को बनाया। गत सप्ताह उन्होंने रूस से आयात किए जाने वाले सस्ते तेल की मात्रा कम करने के लिए विवश करके भारत को एक और शर्मिंदगी झेलने को मजबूर किया दृयह तेल आपूर्ति शुरू होने के तीन साल बाद, मामले पर काफी पैरवी करने के बाद, आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा।

लेकिन बात यहां तक पहुंची क्यों? कैसे विदेश मंत्रालय ने उचित सलाह न देकर प्रधानमंत्री मोदी को निराश किया? अपने सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते यानि अमेरिका के साथ संबंध पर, भारत की विदेश नीति इतनी चुक क्यों गई कि अब उसमें पूरी तरह बदलाव की जरूरत है?

समस्या रूस से सस्ता तेल ख़रीदना बंद करने की नहीं है - इससे पहले भी, 2012 में, जब अमेरिका ने ईरान से तेल ख़रीद रोकने पर मजबूर किया था, तब भी भारत ने चुप्पी साध ली थी। दिक्कत यह है कि वाशिंगटन डीसी में भारत का कोई बहुत नजदीकी दोस्त नहीं बचा है, जो नुकसान की सूरत बनने पर उसे यह यकीन दिला सके कि इसमें हानि परस्पर है अर्थात दोनों एक ही पाले में हैं। याद कीजिए, जब रूस भारत को एस-400 मिसाइलें बेच रहा था, तब भी भारत ने उस पर लगे प्रतिबंधों में विशेष छूट देने के लिए अमेरिका को मना लिया था?

नए भारत की त्रासदी यह है कि अब लोगों के बीच संवाद कम हो रहा है। हम नहीं जानते कि हिंदी-उर्दू की इतिहासकार फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत से क्यों निकाला गया - कोई नहीं बता रहा। हमें नहीं पता कि ट्रम्प अब हमें पसंद क्यों नहीं करते, हालांकि कुछ सबसे होशियार अमेरिकी, भारतीय मूल के हैं। या फिर आधे पड़ोसी मुल्कों - नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश- के साथ हमारी तनातनी क्यों है।

11 वीं के छात्र पर चाकू से हमला, सीसीटीवी में कैद हो गई घटना

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के शास्त्री नगर में मंगलवार दोपहर 11वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र पर चाकू से हमला किया गया। घायल छात्र किसी तरह भागकर अपने स्कूल पहुँचा और चौकीदार को घटना की जानकारी दी। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल उसे वाहन से जिला अस्पताल पहुँचाया। हमले की घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, घायल छात्र अमान पिता समीर खान निवासी नाहरपुरा, शास्त्री नगर के एक निजी विद्यालय में पढ़ता है। करीब एक माह पहले उसी स्कूल के 11वीं के दूसरे सेक्शन में पढ़ने वाले छात्र से सीढ़ियों से उतरते समय धक्का-मुक्की हुई थी, जिससे विवाद हो गया था। तब स्कूल ने दोनों को समझाकर मामला शांत करा दिया था।

मंगलवार दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जब स्कूल की छुट्टी हुई, तो अमान स्कूल से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर शिव मंदिर के पास पहुँचा। वहाँ पहले से ही वह छात्र अपने दो बाहरी दोस्तों के साथ खड़ा था। उन्होंने अमान को बातचीत के बहाने कुछ दूर बुलाया और बात करते-करते उस पर चाकू से हमला कर दिया।

घायल छात्र अमान ने बताया कि हमलावरों ने पहले कहा कि ÷पुराना मामला सुलझाना है।÷ मैंने कहा कि मैं झगड़ा नहीं करना चाहता, सामान्य बात करना चाहता हूँ। तभी उनमें से एक ने अचानक चाकू निकालकर मुझ पर वार कर दिया। मैं दौड़कर स्कूल पहुँचा और चौकीदार को बताया, जिसके बाद स्कूल प्रबंधन ने मुझे अस्पताल पहुँचाया।

छात्र ने बताया कि पहले हुए विवाद के बाद स्कूल प्रबंधन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की थी। इस बार हुई घटना में बाहरी युवकों की भी भूमिका सामने आई है, जो हमलावर छात्र के परिचित बताए जा रहे हैं।

रतलाम में गुंडों की पुलिस ने कराई परेड

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम पुलिस ने गुंडा अभियान के तहत बुधवार दोपहर शहर के अलग-अलग थानों के गुंडा तत्वों की परेड कराई और पैदल जुलूस निकाला। बाद में सभी पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया।

शहर के स्टेशन रोड थाने के 5, डीडी नगर थाने के 8, माणकचौक थाने के 7 और औद्योगिक क्षेत्र थाने के 6 गुंडों समेत कुल 26 लोगों का जुलूस निकाला गया। इन सभी के खिलाफ पूर्व में 5 या इससे अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। सभी को स्टेशन रोड थाने में एकत्र कर बांड ओवर की कार्रवाई की गई।

यहां से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया, चारों थानों के थाना प्रभारी जितेंद्रसिंह जादोन, पातीराम डावरे, अनुराग यादव, सत्येंद्र रघुवंशी सहित पुलिस बल की मौजूदगी में जुलूस निकाला गया।

सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि पुलिस द्वारा गुंडा तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। शहर के चारों थानों के पूर्व से दर्ज अपराध वाले गुंडों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया।

निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान मरीज की मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर में गोल चौराहा स्थित मैत्री मेडिकल सेंटर में मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा कर दिया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय जाकिर लश्करी के रूप में हुई है।

मृतक के बेटे असलम लश्करी ने बताया कि वे अपने पिता को दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, उस समय उनकी हालत गंभीर नहीं थी। उनका आरोप है कि डॉक्टर राहुल सिंह सेंगर ने इंजेक्शन लगाया, जिसके कुछ देर बाद ही उनके पिता की मौत हो गई।

डॉ. राहुल सिंह सेंगर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मरीज पिछले कुछ दिनों से बीमार था और उसे सांस लेने में तकलीफ थी। उन्होंने बताया कि मरीज को उसकी स्थिति के अनुसार आवश्यक उपचार दिया गया, सब कुछ रिकॉर्ड में दर्ज है। यदि परिजन लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं, तो पोस्टमार्टम से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। प्रथम दृष्टि में मामला हृदयघात से मौत का प्रतीत होता है।

घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल की दुकान पर सट्टा खेलते पिता-पुत्र गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के माणकचौक थाना क्षेत्र के संत रविदास चौक स्थित एक साइकिल की दुकान में मोबाइल के माध्यम से सट्टा खेलते हुए पिता-पुत्र को पुलिस ने रंगेहाथ पकड़ा। पुलिस ने मौके से 19 हजार रुपये नगद और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। बेटे पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

थाना प्रभारी सी.आर. डावरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर मंगलवार रात दबिश दी गई। इस दौरान विकास उर्फ विकी (40) और उसके पिता श्यामलाल (62), दोनों निवासी संत रविदास चौक, दुकान में मोबाइल से सट्टा खेलते मिले। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 70 हजार रुपये नकद और मोबाइल जब्त किए।

थाना प्रभारी डावरे ने बताया कि आरोपी विकास के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है और बुधवार को उसे एसडीएम न्यायालय में पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सट्टा और जुए के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई है, जो लगातार ऐसी गतिविधियों पर निगरानी रखकर कार्रवाई करेगी।

पशुपतिनाथ महादेव मेला समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज, मंदसौर।

भगवान पशुपतिनाथ महादेव मेला 1 नवम्बर से 20 नवम्बर 2025 तक (20 दिवसीय) नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित किया जाना है। इस मेले के आयोजन को भव्य रूप से संपन्न करने हेतु मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में मेला समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला एवं मेला समिति सभापति प्रतिभा विक्रम भैरवे की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में पशुपतिनाथ महादेव मेला को भव्य स्वरूप में आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। तय किया गया कि 1 नवम्बर को पशुपतिनाथ मंदिर के पटोत्सव कार्यक्रम के साथ ही मेले का भी भव्य शुभारंभ किया जाएगा।

मेला समिति की बैठक में मेला उद्घाटन को लेकर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने पशुपतिनाथ मेले के सांस्कृतिक मंच पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया और निर्णय लिया कि मेला हेतु बुलाई गई निविदा एवं कलाकारों की तिथि पर चर्चा के बाद ही कार्यक्रम तय किए जाएंगे। अतः सांस्कृतिक मंचीय कार्यक्रम अगली बैठक में निर्धारित किए जाएंगे।

इस बैठक में मेला समिति सदस्य कमलेश सिसौदिया, आशीष गौड़ अधिवक्ता, ईश्वरसिंह चौहान, गरिमा हितेन्द्र भाटी, प्रमिला संजय गोयल, तरुण शर्मा, नगर पालिका सभापति निलेश जैन, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, रमेश ग्वाला, सत्यनारायण भांभी, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे एवं मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस की तत्परता से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, शुजालपुर।

फरियादी अशोक राठौर द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि वह बस स्टैंड स्थित एक हेयर सैलून पर बाल कटवाने गया था। लौटने पर उसकी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-42-एमजे-3444 अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी।

फरियादी की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 633/25, धारा 303(02) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष वाघेला द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सतत प्रयास करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी सोबर सिंह राजपूत पिता गोपाल सिंह राजपूत, उम्र 35 वर्ष, निवासी सारसी, थाना मोहन बड़ोदिया, जिला शाजापुर को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल एमपी-42-एमजे-3444 बरामद की गई है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष वाघेला, उप निरीक्षक नवीन बिलावलिया, आरक्षक 355 अर्जुन भार्गव एवं आरक्षक 390 संजय पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बेटे के इलाज के लिए 4 घंटे तक 3 अस्पतालों में भटकती रही एक मां

बैतूल।

मध्य प्रदेश के बैतूल में एक महिला को अपने बेटे के इलाज के लिए 4 घंटे तक भटकना पड़ा। तीन अस्पतालों में भटकती रही महिला ने जब वीडियो बनाकर सोशल मीडिया का पोस्ट किया तब बेटे का इलाज हुआ और इस मामले में बैतूल कलेक्टर ने छह लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

बैतूल के पाथाखेड़ा निवासी एक महिला को अपने बेटे के इलाज के लिए रविवार की देर रात चार घंटे तक अस्पतालों के चक्कर काटती रही, लेकिन इलाज नहीं मिला। वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बड़ी कार्रवाई की है।

पीड़ित महिला सारिका मिस्त्री ने बताया कि, उसके बेटे को साइकिल चलते समय गिरने से पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। रात में इलाज के लिए उन्होंने पहले सरकारी अस्पताल का रुख किया, फिर एक प्राइवेट अस्पताल गए, लेकिन डॉक्टर नहीं मिले। आखिरी में वे घोड़ाडोंगरी के सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं, मगर वहां भी किसी ने इलाज नहीं किया।

सारिका का कहना है कि चार घंटे तक इधर-उधर भटकते रहे, कोई डॉक्टर नहीं मिला। आखिर थककर हारकर वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, तब जाकर बच्चे के पैर के अंगूठे में टांके लगाए गए।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी का कहना है कि एक महिला को बेटे के इलाज के लिए तीन अस्पतालों में घूमना पड़ा और चार घंटे तक इलाज नहीं मिला। जनसेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसी किसी भी शिकायत पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लकड़ी के अवैध परिवहन पर प्रकरण पंजीबद्ध

माही की गूंज, धार।

वनमंडलाधिकारी विजयनंथम टी.आर. के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्राधिकारी मांडव सचिन सयदे के नेतृत्व में मंगलवार को मुखबीर की सुचना के आधार पर राजस्व क्षेत्र पीथमपुर मे जलाउ लकडी के अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर संतोष कुमार उपाध्याय परिक्षेत्र सहायक बगडी एवं समस्त वन स्टॉफ की टीम गठित कर जप्ति की कार्यवाही की गई। जिसमे मौके पर आयशर वाहन में आधी भरी हुई पायी गयी, जिसमे नीम, सुबबुल की कटी हुई लकडी पायी गई। मौके पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, 42 के तहत वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर वाहन को डिपो नालछा लाकर प्रकरण को आगामी कार्यवाही हेतु विवेचना मे लिया गया।

पेग मार्ट किराना स्टोर पर जीएसटी विभाग की कार्वाई

माही की गूंज, शुजालपुर, अजय राज केवट।

ग्राहकों को अधिक मूल्य पर सामान बेचने और नापतोल में गड़बड़ी करने की शिकायत पर जीएसटी विभाग ने शुजालपुर स्थित पेग मार्ट किराना स्टोर पर कार्रवाई की। दीपावली की रौनक के बीच स्टोर संचालक द्वारा ग्राहकों से अधिक दाम वसूलने की शिकायत मिली थी।

22 सितंबर से लागू जीएसटी कानून संशोधन के बाद कई उत्पादों के दामों में कमी आई है, लेकिन कई दुकानदार प्रधानमंत्री द्वारा नागरिकों को दी गई रियायत का लाभ नहीं दे रहे हैं। बताया गया कि पेग मार्ट किराना स्टोर के संचालक ने 190 एमएल बादाम हेयर ऑयल को 158 रुपये में बेचा, जबकि बिल में जीएसटी नंबर के साथ 190 एमएल के स्थान पर 200 एमएल दर्शाया गया।

यह मामला जांच का विषय बना हुआ है। जीएसटी विभाग इस गड़बड़ी की जांच कर रहा है, वहीं नापतोल विभाग में भी जल्द शिकायत दर्ज कर जांच कराई जाएगी।

नवविवाहिता की मौत, पिता बोले - ससुराल वालों ने की हत्या

माही की गूंज, खंडवा।

खंडवा में एक नवविवाहिता की मौत ने सनसनी फैला दी है। मृतका 24 वर्षीय शेख आरजू ने मरने से पहले अपने पिता को फोन कर कहा था - ÷पापा, जल्दी आओ‐ ये लोग मुझे मार डालेंगे।÷ यह घटना मोघट रोड थाना क्षेत्र के हजरत खान शाहवली वार्ड की है। आरजू की शादी चार साल पहले मोहम्मद वसीम से हुई थी और उसके दो बच्चे भी हैं।

मंगलवार शाम हुई इस घटना के बाद आरजू के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरजू को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था और अक्सर उसके साथ मारपीट की जाती थी। मोघट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

प्रारंभिक जांच में आरजू के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मायके पक्ष ने पुलिस से निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मृतका के पिता शेख रईस ने बताया कि मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे आरजू ने उन्हें फोन कर कहा था कि ससुराल वाले उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और उसे जान से मार देंगे। उन्होंने बताया कि वे तत्काल खंडवा के लिए रवाना हुए, लेकिन जब तक पहुंचे, उनकी बेटी की मौत हो चुकी थी। मृतका की भाभी उजमा शेख ने भी बताया कि आरजू ने फोन पर उनसे मदद मांगी थी।

झोलाछाप डॉक्टर पर केस, गिरफ्तार

माही की गूंज, खंडवा।

खंडवा के पिपलोद पुलिस थाना क्षेत्र के गांधवा गांव में एक कथित झोलाछाप डॉक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया कि डॉक्टर के गलत इलाज से 18 महीने के बच्चे की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, बड़ा बोरगांव निवासी लाबू जमरा का 18 महीने का बेटा ओम दस्त से पीड़ित था। पहले उसे बड़ा बोरगांव के सरकारी अस्पताल में दिखाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गांधवा गांव के डॉक्टर हिमांशु यादव के पास ले गए। डॉक्टर यादव ने बच्चे को निमोनिया बताया और उसे ड्रिप चढ़ाने की सलाह दी।

लाबू जमरा के अनुसार, डॉक्टर यादव ने ओम को अपने क्लिनिक में भर्ती किया और उसे दो ड्रिप चढ़ाईं, जिनमें पांच इंजेक्शन लगाए गए। ड्रिप आधी चढ़ने के बाद डॉक्टर वहां से चले गए। कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई।

घटना के बाद लाबू जमरा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से डॉक्टर यादव के दस्तावेजों की जांच कराई। जांच में पाया गया कि डॉक्टर यादव के पास कोई वैध चिकित्सकीय डिग्री नहीं है।

पुलिस ने डॉक्टर हिमांशु यादव को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ धारा 106(1) भा.दं.सं. व धारा 24 मध्यप्रदेश राज्य आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम (1956, 1958) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक शोरूम से सात लाख रुपए की चोरी

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन जिले के बिस्टान क्षेत्र में सोमवार रात एक बाइक शोरूम में बड़ी चोरी की वारदात हुई। बदमाश शटर मोड़कर अंदर घुसे और नकद काउंटर में रखे करीब सात लाख रुपए लेकर फरार हो गए। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, हालांकि बदमाशों ने कैमरे से छेड़छाड़ भी की है।

घटना मंगलवार सुबह तब सामने आई, जब शोरूम संचालक विशाल भंडारी का बेटा सुबह करीब साढ़े नौ बजे दुकान पहुंचा। उसने देखा कि शटर टूटा हुआ है और नकद काउंटर में रखी रकम गायब है। संचालक के अनुसार, बैंक में जमा करने के लिए शोरूम में छह से सात लाख रुपए रखे थे। फिलहाल किसी पर शक नहीं है।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक और अंगुली छाप विशेषज्ञ दल ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बदमाश पीछे के रास्ते से अंदर घुसे और नाइट विजन कैमरे को नुकसान पहुंचाया, जिससे फुटेज धुंधली दिखाई दे रही है। पुलिस का मानना है कि वारदात से पहले रैकी की गई होगी।

एएसआई आत्माराम असवारे ने बताया कि मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है और पुलिस जल्द ही चोरी का खुलासा करने का दावा कर रही है।

ऊन महालक्ष्मीधाम में अन्नकूट महोत्सव संपन्न

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन के ऊन स्थित महालक्ष्मी धाम में गोपाष्टमी के अवसर पर 16वां वार्षिक अन्नकूट महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार सुबह गायत्री मंदिर से 300 कन्याओं की कलश यात्रा निकाली गई, जो बैंड-बाजे के साथ महालक्ष्मी मंदिर पहुंची। मंदिर परिसर में कन्याओं का स्वागत किया गया और उन्हें भोजन कराया गया।

तीन दिवसीय महोत्सव के तहत मंदिर परिसर में 21 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति दी गई, जिसमें 35 जोड़ों ने भाग लिया। इसके बाद दीप पूजन हुआ और श्रद्धालुओं ने अन्नकूट के दर्शन किए। कार्यक्रम में भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की गई।

इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महोत्सव में बनिहार, घोटिया, रायबिडपुरा, केशवपुरा, कमोदवाड़ा समेत 20 गांवों के 1000 से अधिक स्वयंसेवकों ने सेवा दी और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित रूप से प्रसादी वितरित की।

आयोजकों के अनुसार, मौसम में बदलाव के कारण भोजन मंदिर परिसर में ही तैयार किया गया था। तैयार भोजन सामग्री को वाहनों से भंडारे स्थल तक पहुंचाया गया। शाम तक एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की और पूरे दिन महालक्ष्मी धाम में भक्ति व उल्लास का माहौल बना रहा।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार बड़वानी में नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के प्रगति सूचकांकों में सुधार लाने के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। नीति आयोग द्वारा देशभर के 500 विकासखंडों को पिछड़े क्षेत्रों के विकास हेतु आकांक्षी विकासखंड घोषित किया गया है। बड़वानी जिला एवं विकासखंड पाटी इस योजना के अंतर्गत शामिल हैं।

इस योजना में स्वास्थ्य और पोषण (30 प्रतिशत), शिक्षा (30 प्रतिशत), कृषि (20 प्रतिशत), सामाजिक विकास (5 प्रतिशत) और मूलभूत अधोसंरचना (15 प्रतिशत) जैसे घटकों को सम्मिलित किया गया है। इन क्षेत्रों में प्रगति लाकर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को संस्थागत प्रसव के प्रतिशत में तेजी से वृद्धि लाने और एएनसी जांच में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग को अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके पोषण स्तर में सुधार हेतु विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा विभाग को परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने और कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की दर को न्यूनतम करने के लिए विद्यालय स्तर पर निगरानी बढ़ाने और अभिभावकों से सतत संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया गया।

कृषि विभाग को किसानों को समय पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने और उन्नत खेती की तकनीकें किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

लीड बैंक प्रबंधक से अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, आधार संयोजन आदि विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, उप संचालक कृषि, लीड बैंक प्रबंधक तथा विकासखंड पाटी के सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोयडिया गांव में करंट से पांच मवेशियों की मौत

माही की गूंज, बड़वानी।

बड़वानी जिले के अंजड़ थाना क्षेत्र के कोयडिया गांव में निहाली नदी किनारे सिंचाई के लिए रखी पानी की मोटर से फैले करंट की चपेट में आने से पांच मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना बुधवार दोपहर की है।

गांव निवासी पशुपालक हिरदाराम पिता कुतरिया धनगर अपने 12 मवेशियों को चराने के लिए खेतों की ओर ले जा रहे थे। उसी दौरान निहाली नदी किनारे रखी पानी की मोटर से बिजली का करंट पानी में फैल गया था। जैसे ही 12 में से पांच मवेशी पानी के किनारे से होकर गुजरे, वे करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पशुपालक हिरदाराम ने बताया कि मृत मवेशियों की अनुमानित कीमत लगभग तीन लाख रुपए थी। इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और पशुपालक ने मोटर मालिक से हर्जाने की मांग की।

पंचायत द्वारा बताया गया कि मोटर लगाने वाले किसान और पशुपालक के बीच नुकसान की भरपाई को लेकर गुरुवार को समझौते की बात चल रही है। मृत सभी मवेशियों को पशुपालक हिरदाराम और पंचायत की मौजूदगी में ग्रामीणों की सहायता से जेसीबी मशीन से दफनाया गया।

आगे जाता आसियान और पीछे होता सार्क

हाल में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया को लेकर दो तरह की खबरें मिली थीं, जिनसे दो तरह की प्रवृत्तियों के संकेत मिलते हैं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तरीके से और विदेशमंत्री एस जयशंकर स्वयं उपस्थित हुए थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कम्युनिटी विज़न 2045 को अपनाने के लिए आसियान की सराहना की। कम्युनिटी विज़न 2045 अगले बीस वर्षों में इस क्षेत्र को एक समेकित समन्वित विकास-क्षेत्र में तब्दील करने की योजना है।

अपने आसपास के राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह ज़ाहिर होता जा रहा है कि भारत को पूर्व की दिशा में अपनी कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार करना होगा। यह विस्तार हो भी रहा है, पर म्यांमार की अस्थिरता और बांग्लादेश की अनिश्चित राजनीति के कारण कुछ सवाल खड़े हो रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के पांच देशों (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम) के साथ सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने वाले 'गंगा-मीकांग सहयोग कार्यक्रम' में हमें तेजी लानी चाहिए।

अब उस दूसरी खबर की ओर आएं, जो इस सिलसिले में महत्वपूर्ण है। भारत के सरकारी स्वामित्व वाले भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने गत 22 अक्तूबर से अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बांग्लादेश से इंटरनेट बैंडविड्थ का आयात बंद कर दिया। इस कदम का सीधा असर पूर्वोत्तर की इंटरनेट कनेक्टिविटी पर पड़ेगा, जो अभी तक बांग्लादेश अखौरा बंदरगाह के माध्यम से आयातित बैंडविड्थ पर निर्भर थी।

यह फैसला अचानक नहीं हुआ है। पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर को बैंडविड्थ की आपूर्ति के लिए बांग्लादेश को ट्रांज़िट प्वाइंट के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। बांग्लादेश टेलीकम्युनिकेशंस रेग्युलेटरी कमीशन (बीटीआरसी) का कहना था कि भारत को ट्रांज़िट पॉइंट देने से क्षेत्रीय इंटरनेट हब बनने की हमारी क्षमता कमज़ोर हो जाएगी।

भारत का पूर्वोत्तर पहले घरेलू फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क का उपयोग करके चेन्नई में समुद्री केबलों के माध्यम से सिंगापुर से जुड़ा हुआ था। चूंकि चेन्नई में लैंडिंग स्टेशन पूर्वोत्तर से लगभग 5,500 किमी दूर है, इसलिए इंटरनेट की गति पर असर पड़ता था।

बहरहाल अब भारत पूर्वोत्तर राज्यों में इंटरनेट कनेक्शन पूरी तरह से अपने फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क और नए सैटेलाइट सिस्टम के जरिए देगा। इसके लिए भारतनेट प्रोजेक्ट में बड़े सुधार किए गए हैं, जो भारत का अपना डिजिटल नेटवर्क है। साथ ही इसरो के हाई-स्पीड सैटेलाइट नेटवर्क को भी बेहतर तरीके से जोड़ा गया है। इन बदलावों की वजह से अब पूर्वोत्तर राज्यों को तेज और भरोसेमंद इंटरनेट मिलेगा, बिना किसी बाहरी देश पर निर्भरता जताए हुए। भारत और बांग्लादेश के बीच यह महत्वपूर्ण सहयोग था, जो दक्षिण एशिया में कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करता था। यह सहयोग भी एकतरफा नहीं था। भारत भी बांग्लादेश को बैंडविड्थ दे रहा है, जिसे बांग्लादेश अब कम करता जा रहा है। बांग्लादेश ने दूसरे देशों, जैसे सिंगापुर वगैरह से समुद्र में बिछे केबलों के मार्फत बैंडविड्थ आयात शुरू किया है। बात केवल यह नहीं है कि वे अपनी बैंडविड्थ को बढ़ा रहे हैं, महत्वपूर्ण है भारत की अनदेखी करना।

इस साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में छात्रों के विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार के पराभव का एक साल पूरा हो गया है। इस दौरान वहां की अंतरिम सरकार बड़े-बड़े फैसले कर रही है, जिनमें कनेक्टिविटी, व्यापार और यहां तक कि रक्षा से जुड़े विषय भी शामिल हैं। हालांकि वहां अगले साल फरवरी में चुनाव कराने की घोषणा की गई है, पर एक तबका अब भी चाहता है कि चुनाव टाले जाएं और अंतरिम सरकार न केवल नीतियों के मामले में बल्कि संविधान से जुड़े मामलों में भी बुनियादी फैसले करे।

पिछले साल तक भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के मूल में, बांग्लादेश एशिया में शीर्ष पांच निर्यात स्थलों में से एक और भारत के पर्यटन निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत था। यह नई दिल्ली की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी महत्वाकांक्षाओं में भी एक महत्वपूर्ण कड़ी थी, जिसमें सड़क, रेल, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क को एक इच्छुक भागीदार के रूप में ढाका के साथ सीमाओं के पार एक साथ जोड़ा गया था। राजनीतिक बदलाव ने इस यात्रा को रोककर विपरीत दिशा में बढ़ाना शुरू कर दिया है। व्यापार और ट्रांसशिपमेंट अधिकारों को निलंबित करने के साथ कनेक्टिविटी संपर्क बाधित हो गए हैं। इतना ही नहीं चीन-पाक से रिश्ते सुधारने की दिशा में इस देश ने असाधारण तेजी दिखाई है।

भारत के साथ रेलवे लाइनों जैसी भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजनाओं को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसकी शिकार भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (आईबीएफपी) भी हुई है। भारत-बांग्लादेश मैत्री उपग्रह-कार्यक्रम ठंडे बस्ते में चला गया है। ऐसे तमाम दूसरे कार्यक्रम रोक दिए गए हैं। यात्री ट्रेनों के निलंबन ने द्विपक्षीय रिश्तों के सबसे मूल्यवान उपकरण-जनता के संपर्क को तोड़ा है। बांग्लादेश के लोग इलाज के लिए भारत आते थे, उन्हें चीन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। घटनाक्रम रेखांकित करता है कि दक्षिण एशिया में सीमा पार कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण किस हद तक राजनीतिक हवा पर निर्भर करते हैं।

मार्च, 2025 में चीन की यात्रा के दौरान बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ बताया और बांग्लादेश को 'इस पूरे क्षेत्र में महासागर का एकमात्र संरक्षक' घोषित किया था। अप्रैल में, भारत ने भारतीय क्षेत्र से पारगमन करने वाले बांग्लादेशी सामानों को पहले दिए गए ट्रांसशिपमेंट अधिकारों को वापस ले लिया। मई में खबरें आईं कि भारतीय सीमा से महज 12 किलोमीटर दूर लालमोनिरहाट में एक पुराने हवाई अड्डे को चीन की मदद से बांग्लादेश पुनर्जीवित करने जा रहा है।

प्रमोद जोशी

दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी समस्या कनेक्टिविटी की है। ऐतिहासिक रूप से यह इलाका कभी आपस में अच्छी तरह जुड़ा हुआ था, पर अब नहीं है। इन देशों में कनेक्टिविटी परिवहन (जैसे समुद्री मार्ग, सड़क और रेल), व्यापार और डिजिटल माध्यमों (जैसे उपग्रह) के माध्यम से बेहतर की जा सकती है। इस समय इन देशों के बीच अंतर-क्षेत्रीय व्यापार दुनिया में सबसे कम है, जो एकीकरण की कमी को दर्शाता है।

दक्षिण एशिया का शुमार दुनिया के सबसे पिछड़े इलाकों में होता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयासों में लगने वाले राजनीतिक अड़ंगे। इस इलाके का सहयोग संगठन दक्षेस खामोश है। नवंबर, 2014 में काठमांडू के शिखर सम्मेलन के बाद से उसका कोई सम्मेलन नहीं हुआ है। उस सम्मेलन में दक्षेस देशों के मोटर वाहन और रेल संपर्क समझौते पर सहमति नहीं बनी, जबकि पाकिस्तान को छोड़ सभी देश इसके लिए तैयार थे। नवाज़ शरीफ के नेतृत्व में वहां की सरकार भी समझौते के पक्ष में दिखाई पड़ती थी, पर अंतिम क्षणों में वहां की सेना ने वह समझौता नहीं होने दिया।

भारत ने दक्षिण एशियाई उपग्रह परियोजनाओं की पेशकश की, जिसमें शामिल होने से पाकिस्तान ने इनकार कर दिया। सार्क जैसे संगठन सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर वह भी निष्क्रिय पड़ा है। चाबहार बंदरगाह जैसे आर्थिक गलियारे भी राजनीति के शिकार हुए हैं। भारत-बांग्ला इंटरनेट कनेक्टिविटी इसका ताज़ा उदाहरण है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी: मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर उज्जैन शहर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने केडी गेट से निकास चौराहा मार्ग तक हो रहे चौड़ीकरण कार्य का खजूरवाली मस्जिद के समीप जाकर जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मार्ग के चौड़ीकरण से शहर के पुराने बाजार को नई दिशा मिलेगी और व्यापार में वृद्धि होगी।

नागरिकों की स्वप्रेरणा पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जताई प्रसन्नता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने बताया कि नागरिक स्वयं अपने घरों के कुछ हिस्सों को हटाकर मार्ग चौड़ीकरण में सहयोग दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस भावना की सराहना करते हुए नागरिकों का अभिनंदन किया।

सिंहस्थ 2028 कार्यों पर नागरिकों से हुई चर्चा

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत की और उनकी कुशलक्षेम जानी। उन्होंने सिंहस्थ-2028 से जुड़ी तैयारियों और व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की, ताकि आने वाले मेले में भक्तों और पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पात्र नागरिकों को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह को निर्देश दिए कि जो नागरिक स्वप्रेरणा से अपने मकान का हिस्सा तोड़कर मार्ग चौड़ीकरण में सहयोग कर रहे हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य तेजी से पूरा किया जाए और नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

उज्जैन के विकास को नई गति

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन है, बल्कि यह उज्जैन के समग्र विकास का अवसर भी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें।

त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

दीपोत्सव के बाद क्षेत्र के धर्म स्थलों पर अन्नकूट महोत्सव के आयोजन किए जा रहे हैं। आम्बुआ में पहले श्री राम मंदिर तथा उसके बाद संकटमोचन हनुमान मंदिर में तथा आज 29 अक्टूबर को आम्बुआ - अड़वाडा मार्ग पर आवास फलिया में नवनिर्मित त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर प्रथम अन्नकूट महोत्सव का आयोजन मंदिर समिति द्वारा जनसहयोग से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। दोपहर को भूत-भावन भगवान शिव की महाआरती पश्चात विभिन्न प्रकार की मिश्रित सब्जियों से निर्मित महाप्रसादी का भोग अर्पण कर शिव भक्तों को वितरित किया गया, जिसमें आम्बुआ के अतिरिक्त समीप ग्राम बोरझाड,अगौनी अड़वाडा,झौरा हीरापुर के शिव भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

आजीविका दीदी कैफे का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, धार।

मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम पिपलखेड़ा की साई कृपा समर्थ स्व-सहायता समूह की दीदी श्रीमती छाया पंवार द्वारा संचालित ÷आजीविका दीदी कैफे÷ का शुभारंभ जिला पंचायत परिसर धार में किया गया। कैफे का उद्घाटन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धार अभिषेक चौधरी ने किया।सहायक कलेक्टर नव किरण कौर भी मौजूद थीं। उद्घाटन अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्रामीण महिलाएँ एवं आजीविका मिशन की टीम उपस्थित रही। ÷आजीविका दीदी कैफे÷ ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस कैफे में स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए स्वादिष्ट दाल पानिये, सुरन बाटी, छोले भटोरे, समोसे, कचोरी, फलहारी, अप्पे, खिचड़ी, परांठे, पकौड़े, चाय और कॉफी जैसे विविध व्यंजन उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए पार्सल सेवा भी प्रदान की जाएगी। कैफे प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक खुला रहेगा। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक प्रमोद दुसाने ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कैफे ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे ÷आजीविका दीदी कैफे÷ पर पधारकर स्थानीय व्यंजनों का आनंद लें और समूह की दीदी श्रीमती छाया पंवार का उत्साहवर्धन करें। कार्यक्रम में आजीविका मिशन की जिला टीम के साथ विकासखंड स्तर से श्रीमती दीप्ति विरकर, विकासखंड प्रबंधक एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। यह पहल न केवल स्वाद और सेवा का नया अनुभव देगी, बल्कि ग्रामीण महिला उद्यमिता को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

जिला अस्पताल से एक दिन पहले जन्मी बच्ची चोरी

शिवपुरी।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के जिला अस्पताल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां बुधवार सुबह एक दिन पहले जन्मी बच्ची चोरी हो गई। ये घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बताया जा रहा है कि बच्ची को चोरी करने वाली महिला अपने परिजनों के साथ थी और सुबह बच्ची को चुराकर फरार हो गई।

दरअसल एक महिला ने कुछ दिन पहले जिला हॉस्पिटल में एक बच्ची को जन्म दिया था। लेकिन बुधवार की सुबह को बच्ची को एक महिला चुरा ले गई। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। फिलहाल पुलिस बच्ची की तलाश कर रही है और चोरी करने वाली महिला की पहचान के लिए सीसीटीवी की भी मदद ले रही है।

पुलिस ने घोषित किया 30 हजार का इनाम

महिला के परिजनों का कहना है कि चोरी करने वाली महिला गोद में बच्चे को छुपा कर ले गई। मामले में जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जिस महिला ने बच्चा चोरी की वारदात को अंजाम दिया, वह अपने परिजनों के साथ थी।

वहीं इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की तलाश की जा रही है और पुलिस टीम सक्रिय हो गई है। महिला के ऊपर 30 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। ऐसे में जो कोई भी बच्चा चोरी करने वाली महिला के बारे में जानकारी देगा, उसे 30 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अनुविभागीय अधिकारी कट्ठीवाड़ा तपीस पांडे की अध्यक्षता में जनपद पंचायत कट्ठीवाड़ा सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई जिसमें आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत पीएम ऑवर्ड 2025 के संबंध में विकास खण्ड स्तरीय विभागीय अधिकारियों की संकेतक वार समीक्षा की गई। समीक्षा उपरान्त निर्देश दिये गये खण्ड शिक्षा अधिकारी कट्ठीवाड़ा शिक्षा से संबंधित 11 संकेतकों की समीक्षा उपरान्त निर्देशित किया गया , मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी कट्ठीवाड़ा स्वास्थ्य से संबंधित संकेतकों की समीक्षा कर प्रथम तिमाही में एएनसी रजिस्ट्रेशन का प्रतिशत, संस्थागत प्रसव के प्रतिशत तथा इलाज किये गये टीबी केसेस के प्रतिशत में सुधार करने हेतु निर्देशित किया गया तथा शीघ्र सुधार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान उन्होंने महिला बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आदि विभागों की समीक्षा की।

जघन्य सनसनीखेज गंभीर प्रकरणों की समीक्षा सम्पन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में जघन्य सनसनीखेज गंभीर प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा जिले में दर्ज जघन्य गंभीर प्रकरणों के बारे में बताया गया।साथ ही उन्होंने बताया कि जघन्य अपराधों के प्रकरणों के दर्ज हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर द्वारा निर्देशित किया गया कि कोई भी प्रकरण साक्ष्य के अभाव में लंबित न रहे साथ ही जो संवेदनशील प्रकरण दर्ज है उन्हें गंभीरता से लेते हुए उनकी सुनवाई कर जल्द से जल्द निराकरण करे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

साली ने कान के टॉप्स गिरवी रख जीजा की दी सुपारी...

नरसिंहपुर।

नरसिंहपुर जिले में पुलिस ने एक हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। यह हत्या पहले के अवैध प्रेम संबंध और उसके बाद किए गए ब्लैकमेलिंग की वजह से की गई। पुलिस ने मृतक की साली समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि शादीशुदा युवती ने सोशल मीडिया पर हत्या से जुड़े वीडियो देखकर जीजा को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी।

एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना ने बताया कि, 25 अक्टूबर को सृजन साहू नाम का शख्स जलशा होटल के पास से रहस्यमय ढंग से लापता हो गया था। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को सुराग मिले। तीन विशेष टीमों ने मिलकर जांच की, जिसके बाद दो आरोपियों और एक नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने सृजन को जंगल में ले जाकर चाकू से हत्या की और शव को पत्थरों के नीचे दबा दिया।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर उठाया कदम

आरोपी निधि साहू ने बताया कि, जीजा सृजन साहू से उसके अवैध संबंध थे। शादी से पहले के वीडियो वायरल करने की धमकी देकर देकर ब्लैकमेल कर रहा था। उधर, निधि की 5 माह पहले शादी हो चुकी थी और वह इस संबंध से पीछा छुड़ाना चाहती थी.पुलिस के मुताबिक, परेशान युवती ने सोशल मीडिया पर रील्स और आइडिया देखकर हत्या की साजिश रची। इसके लिए उसने दो चाकू खरीदकर अपने बिस्तर के नीचे छिपा लिए थे। इसके बाद निधि ने अपने परिचित साहिल को 50 हजार में सुपारी दी, जिसमें 10 हजार एडवांस और बाद में अपने सोने के कान के गहने दिए।

कार चलाते वक्त चाकुओं से गोदा

25 अक्टूबर की दोपहर निधि ने जीजा सृजन को घूमने जाने के लिए बुलाया। वे एक शिफ्ट कार में जंगल की तरफ गए. जब सृजन ने पूछा कि कहां जा रहे हैं? तो साहिल ने कहा कि आगे से एक और साथी को बैठाना है। आगे बढ़ने पर जब सृजन कार चला रहा था, उसी समय निधि ने गर्दन पर चाकू से तीन बार वार किए, जिसके बाद साहिल ने भी चाकू से मारा। हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को जंगल में पत्थरों के नीचे दबा दिया।

दिन-रात जंगल में ढूंढी डेड बॉडी

एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना ने बताया कि मुगवानी थाना में गुमशुदगी की सूचना मिली थी। जांच के दौरान मृतक की मोबाइल लोकेशन जंगल में मिली। सीसीटीवी फुटेज में एक शिफ्ट कार में मुंह में नकाब बांधे एक महिला दिखी, जिसकी पहचान निधि और साहिल के रूप में हुई।

तीन विशेष टीमों ने दिन-रात मेहनत कर जंगल में डेड बॉडी ढूंढी। डॉग स्क्वाड ने चाकुओं को भी पकड़ने में मदद की. एसपी डॉ. मीना ने खुलासा करने वाली टीम को ?10 हजार इनाम में दिया है।

अनियंत्रित शराब से भरी पिकअप रेलवे की रेलिंग तोड़ हुई दुर्घटनाग्रस्त

रेलवे पुलिस ने बिगाड़ा शराब तस्करों का खेल, सब्जियों की आड़ में चल रहा हे अवैध शराब की तस्करी का खेल

वाहन में भरे प्याज की बोरिया।

दुर्घटना के बाद वाहन के पास बिखरी शराब।

रेलवे पुलिस शराब समेट कर कार्यवाही करती हुई।

माही की गूंज, बामनिया/पेटलावद।

माही की गूंज ने लगातार अवैध शराब के खिलाफ मुहिम चलाई जिसमें कटाक्ष के रूप में अवैध शराब कौन, कैसे ओर कहा-कहा बेच रहा है और किसकी मेहरबानी से अवैध शराब की बिक्री खुलेआम की जा रही है इसका बड़ा खुलासा किया था। लेकिन न आबकारी विभाग और न ही पुलिस विभाग ने इस ओर कोई ध्यान दिया और अवैध शराब का कारोबार पूरे क्षेत्र में इतना फल-फूल गया है कि, वैध शराब की दुकानों पर गुप्त रूप से केवल एक माह जांच की जाए तो पता लगेगा कि, रिटेल की शराब की सरकारी दुकानों पर अवैध शराब के ट्रक भर-भर माल गुजरात, राजस्थान ओर प्रदेश के दूसरे जिलों में धड़ल्ले से सप्लाई किया जा रहा है। पूरे व्यापार के पीछे लाइसेंसी ठेकेदार की भूमिका साफ है जिसके पास शराब विक्रय की दुकानों के साथ शराब भंडारण के बड़े-बड़े गोदाम जिसमें दुपहिया,चार पहिया नहीं बल्कि ट्रक और ट्राले भी पूरी तरह गोदाम में चले जाते है। इन वाहनों में पहले माल भरा जाता है और ऊपर सब्जी,अनाज या अन्य सामानों की कोटिंग की जाती है। वाहन रात के अंधेरे में निकल कर अपने निश्चित स्थान पर पहुंच जाते है। बड़ी बात ये है कि, ये सब आबकारी ओर पुलिस की जानकारी में है लेकिन शराब ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस काले कारोबार को वैध लाइसेंस की आड़ में वैध माना जा कर कोई कार्रवाई नहीं होती। आबकारी पुलिस के पास अगर कोई सूचना पहुंच जाती है तो इसकी जानकारी ठेकेदार के लोगो के पास शिकायतकर्ता के नाम सहित पहुंच जाती है और शिकायतकर्ता को शराब ठेकेदार अपने टारगेट में ले लेता है।

अल सुबह शराब से भरा वाहन हुआ दुर्घटना का शिकार, प्याज की बोरी की आड़ में हो रही थी शराब की तस्करी

बामनिया रेलवे फाटक पर एक वाहन के दुर्घनाग्रस्त होने की जानकारी सामने आई। मिली जानकारी अनुसार पिकअप वाहन खवासा मार्ग से होते हुए रेलवे फाटक पर पहुंचने से पहले अनियंत्रित होकर रेलवे फाटक के पास लगी रेलिंग ओर खंभों को तोड़ते हुए नीचे खाई में गिर गया। वाहन दुर्घटना का समय सुबह तीन से चार के बीच बताया जा रहा है। पिकअप वाहन में प्याज की बोरिया भरी थी और उसके नीचे अवैध शराब का जखीरा था जो वाहन दुर्घटना ग्रस्त होने के बाद सामने आया। वाहन में लंदन प्राइड व्हिस्की, किंगफिशर बियर के टीन ओर दूसरी कंपनी की बियर के टीन भरे थे जो वाहन के आसपास बिखर गए। दुर्घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया ओर किसी प्रकार की जन हानि नहीं हुई ।

रेलवे पुलिस ने बिगाड़ा तस्करों का खेल

चुकी दुर्घटना रेलवे सीमा क्षेत्र में होकर रेलवे की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) मौके पर पहुंची। सूत्रों के हवाले से खबर है कि, शराब तस्करों ने मौके से अवेध शराब उठाने की कोशिश की ओर दूसरे वाहन में शराब भरने की कोशिश भी की गई। रेलवे पुलिस के आते ही शराब तस्करों के खेल बिगड़ गया ओर उनको शराब वही छोड़ कर निकलना पड़ा। बाद में रेलवे पुलिस ने मौके से अवेध शराब ओर वाहन जप्त कर कार्यवाही की। फिलहाल रेलवे पुलिस की ओर से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की गई की किन धाराओं में मामला दर्ज हुआ है और मौके पर मौजूद रेलवे पुलिस के अधिकारी जानकारी देने से बचते रहे। सबसे बड़ी बात जहा वाहन दुर्घटना का शिकार हुआ वहा से कुछ ही दूरी पर बामनिया के शराब ठेकदार की दुकान और गोदाम है। यहां तक जानकारी मिली है कि, मामले को निपटाने में स्थानीय ठेकेदार के लोग भी शामिल थे। शराब दुकान से जुड़े लोगों के मोबाइल की काल डिटेल ओर मोबाइल लोकेशन निकाली जाए तो सारा मामला दूध की तरह साफ हो जाएगा। वही बेच नम्बर के आधार पर जाच की जाए तो लाइसेंसी ठेकेदार आरोपी बन सकता है साथ ही शराब दुकान निरस्त की कार्यवाही भी की जा सकती है। पर रेलवे पुलिस क्या कार्यवाही करती है यह बाद में ही पता चलेगा।

सब्जियों की आड़ में हो रहा गोरख धंधा

लगातार अवैध शराब का कारोबार जारी है। शराब लाइसेंसी ठेकेदार द्वारा खुलेआम क्षेत्र के अवैध शराब विक्रेताओं को शराब की पेटियां दी जा रही है जो दो व चार पहिया वाहनों पर खुलेआम ले जाई जा रही है। इस प्रकार बड़े रूप में सब्जियों के मंडी टच वाहनों की आड़ में शराब की पेटियां छोटे वाहनों में सब्जियों, टमाटर के कैरेट, आलू ,प्याज ओर लशन की बोरिया की आड़ में शराब गुजरात ओर अन्य क्षेत्रों में सप्लाई की जा रही है। बामनिया रेलवे फाटक पर हुई दुर्घटना में सब्जियों की आड़ में अवेध शराब की तस्करी का खेल सामने आ चुका है।

बड़ा सवाल क्या रेलवे पुलिस करेगी जांच ,वाहन मालिक कोन ओर किसकी थी शराब

अवेध शराब तस्करी के मामलों में जांच का पुलिस या आबकारी के पाले में आता है और इस प्रकार के मामलो में कभी दोनों विभागों की ओर से कोई बड़ा खुलासा नहीं किया गया कि शराब किसकी थी और किसके यहां सप्लाई हो रही है। जबकि शराब के बोतलों पर अंकित बेच नम्बर से पूरी जानकारी मिल सकती है। इधर रेलवे पुलिस के हाथ ये मामला लगा जरूर है लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि, क्या रेलवे पुलिस इस मामले की इतनी गहराई से जांच करेगी या सिर्फ वाहन मालिक को पकड़ कर मामला रेलवे की हुई नुकसानी की क्षतिपूर्ति के साथ प्रकरण खत्म हो जाएगा। शराब से भरा वाहन ठीक रेलवे गेट के पास दुर्घटना ग्रस्त हुआ है और ये मामला ओर भी गंभीर हो सकता था अगर वाहन रेलवे फाटक या उसके आसपास दुर्घनाग्रस्त होता।

परिवार के ही प्रेमी ने की युवती की हत्या

माही की गूंज, झाबुआ।

इस कलयुग में न हीं कोई बात असंभव है और न ही कोई बात आश्चर्य चकित है। लेकिन बात किसी की हत्या कर देने की हो तो थोड़ा विचार व गंभीर होना लाजमी है। भारतीय संस्कृति में परिवार की ही बहन-बेटी से शादी होना गलत माना गया है। लेकिन परिवार की आपसी नजदीकियों के साथ अब यह नजदीकिया युवा पीढ़ी में विपरीत दिशा ले रही है। और आपसी परिवार की बहन-बेटी के साथ प्रेम प्रसंग में होना ऐसे कई वाकिये सामने आ रहे हैं। जिसमें भाई-बहन, बुआ-भतीजे, मामा- भाणेज आदि ऐसे रिश्तों में प्रेम प्रसंग होने लगा है। साथ ही ऐसे प्रेम-प्रसंग को परवाना भी चढ़ाया जाने लगा है। जिसके कई उदाहरण देखे जा सकते हैं। लेकिन समाज भारतीय संस्कृति अनुसार इसका विरोध ही करता है यह सही है। वही हमारा कानून भी हिंदू लॉ के तहत ऐसे रिश्तों को मान्यता नहीं देता है। परिवार में ही प्रेम-प्रसंग व भगा के शादी करने का एक मामला राणापुर की अपने ही परिवार की सगी बुआ को थांदला निवासी भतीजा ले आया और एग्रीमेंट शादी कर अब मामा को दादा और भाई को पिता जन्मे पुत्र के साथ रिश्तो से जोड़ दिया ? ऐसे रिश्ते हमारे समाज को कलंकित कर रहे है यह सही है और ऐसे रिश्तों को कैसे रोका जाए यह एक चिंतन का विषय भी है। एक ताजा मामला जिले के कल्याणपुरा के थाना क्षेत्र के भगोंर के समीप ग्राम बिजलपुर में एक युवती की मौत व उसके खुलासे में सामने आया कि, युवती के पिता बापू भूरिया जो की ग्राम के साथ ही समाज व परिवार में अपना एक अच्छा वर्चस्व रखता है। तथा सभी व्यवसायिक संसाधनों के साथ आर्थिक सक्षमता भी है व एक बड़ा परिवार है। 24 अक्टूबर को बापू भूरिया के खेत में से उसकी ही पुत्री का शव मिला। पुलिस ने युवती की मौत का कारण जांच में जाना तो सामने आया कि, अंतिम बार युवती को फोन उसके ही परिवार के बबलू भूरिया ने किया था। वही तहकीकात की तो पता चला कि, परिवार के बबलू भूरिया का अपने ही परिवार की लड़की (बहन) से बबलू का प्रेम प्रसंग था। वही बताया जा रहा है कि, युवती की सगाई परिवार द्वारा अन्य जगह कर दी गई थी। यह बात बबलू को हजम नहीं हो रही थी।

वहीं स्थानीय चर्चाओं अनुसार सामने आ रहा है कि, युवती भी अपने पिता परिवार द्वारा जिस लड़के से सगाई करवाई थी। वहां युवती अपनी सहमति के साथ शादी करने को तैयार थी। और शायद उसी लड़के से जिससे उसकी शादी होना थी उससे बात चीत मोबाइल पर होने लगी। लेकिन परिवार के भाई प्रेमी बबलू को युवती की नजदीकिया अन्य व्यक्ति से होना बर्दाश्त नहीं कर सका और हत्या के नियत से ही युवती को बात करने के बहाने खेत पर बुलाया और गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने बबलू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो युवती का अन्य व्यक्ति से बात करना मोबाइल में देखा और उसकी हत्या कर दी। पारिवारिक भाई-बहन के इस प्रेम प्रसंग व हत्या की निंदा क्षेत्र में की जा रही है। वही युवती के पिता परिवार के प्रति सहानुभूति जताई जा रही है।

भाजपा की नई कार्यकारिणीः कलसिंह हुए कल के सिंह

माही की गूंज,झाबुआ/थांदला।

लंबी जद्दोजहद के बीच आखिरकार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपनी कार्यकरणी घोषित कर दी। जिसके बाद जगह-जगह से विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं। क्षेत्रीय तथा जातिगत संतुलन रखने का प्रयास किया गया। लेकिन विरोध के स्वर ये साबित कर रहे हैं कि, अनुशासित पार्टी का दावा करने वाली भाजपा में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इंदौर शहर में भी भाजपा की नगर कार्यकारिणी घोषित होने के बाद पोस्टर पर कालिख पोतना और मुर्दाबाद के नारे लगाने जैसी घटनाएं हुई है। कलसिंह भाभर की अ.ज.जा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष की विदाई के साथ ही उन्हें कोई पद न दिया जाना उनके समर्थकों को निराश कर रहा है। वही पार्टी में ही उनके विरोधी प्रदेशाध्यक्ष के इस निर्णय को सही साबित करते हुए उन्हें कल का सिंह बता रहे हैं।

उल्लेखनिय हैं कि, भाजपा की प्रचंड लहर और भाजपा अ.ज.जा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए भी कलसिंह, थांदला विधानसभा की सीट नहीं जीत पाए थे। जिसके बाद ही पार्टी में उनके समर्थकों ने कलसिंह भाभर का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था।

पार्टी में ही कलसिंह भाभर के विरोधियों का कहना है कि, कलसिंह भाभर का समय अब समाप्त हो चुका है, पार्टी को अब उनके विकल्प की तलाश करना चाहिए। वही समर्थकों को उम्मीद है कि, पार्टी देर सवेर उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अवश्य सोपेगी। क्योंकि कलसिंह भाभर दो बार विधायक रह चुके हैं और अ.ज.जा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल काफी सफल रहा है। अब पार्टी उन्हें क्या जिम्मेदारी देगी यह तो भाजपा का आंतरिक मामला है। लेकिन कलसिंह भाभर की अजजा प्रदेशाध्यक्ष से छुट्टी होने के बाद उनके विरोधी जरूर खुश हो रहे हैं।

अतिक्रमण माफिया रामू नाथ के खिलाफ खोला ग्राम पंचायत ने मोर्चा

कई शासकीय भूमियों और निजी भूमियों पर कब्जा, कार्रवाई की मांग

माही की गूंज ,पेटलावद।

कहते है बुराई का अंत निश्चत है, बस बुराई का घड़ा पूरी तरह भरने की देर है। लगभग तीस-पैंतीस साल पूर्व बहार से आए नाथ परिवार की जड़े धीरे-धीरे ऐसी मजबूत हुई कि, नगर में सांप पकड़ कर ओर मांग कर खाने वाला आज नगर ,पुलिस और प्रशासन के लिए नासूर बन चुका है। स्थानीय व्यापारियों से धीरे-धीरे अपनी साख जमाने वाला रामू नाथ देखते ही देखते कई बीघा जमीन का मालिक बन गया। गूंज पूरे मामले का सिलसिलेवार खुलासा करेंगी। फिलहाल ग्राम पंचायत बामनिया क्षेत्र की कई शासकीय जमीनों पर अतिक्रमण कर कब्जा करने ओर उन पर निर्माण करने के प्रकरण उक्त व्यक्ति पर तहसील न्यायालय में चल चुके है। वही दो से तीन बार अवैध अतिक्रमण तोड़े जा चुके है जहां दबंग रामू नाथ ने पुनः कब्जा कर शासन-प्रशासन को बड़ी चुनौती दी है। वर्तमान में बामनिया सहित थांदला विधानसभा क्षेत्र के गांव नारेला में निजी जमीन कब्जाने का बड़ा विवाद सामने आने वाले दोनों ही मामलों में रामुनाथ ओर इसके सहयोगी इसके परिवार पर मामला दर्ज हुआ है। पूर्व में भी इसके विरुद्ध थाना पेटलावद क्षेत्र में मामले दर्ज है। अब प्रशासन उक्त अतिक्रमण माफिया बन चुके रामूनाथ पर बडी कार्रवाई की तैयारी में है।

ग्राम पंचायत की भूमि सहित कई शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण

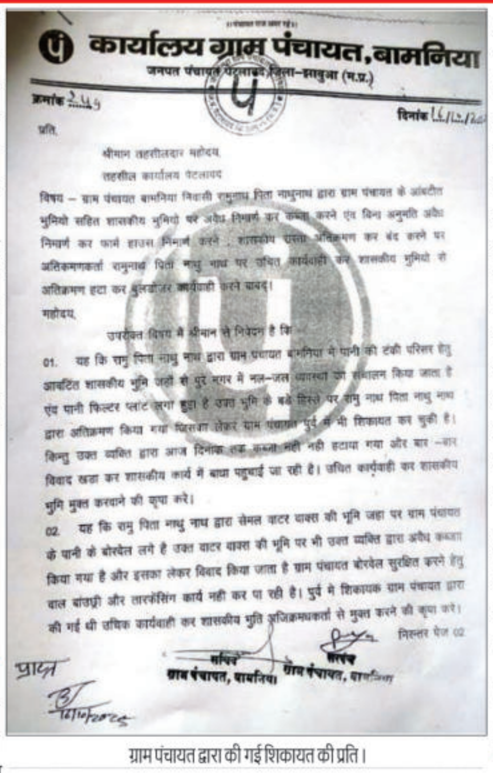

कार्यालय ग्राम पंचायत,बामनिया
जनपद पंचायत पेटलावद जिला-झाबुआ (म.प्र.)
क्रमांक 245
दिनांक [illegible]
प्रति,
श्रीमान तहसीलदार महोदय
तहसील कार्यालय पेटलावद
विषय – ग्राम पंचायत बामनिया निवासी रामुनाथ पिता नाथुनाथ द्वारा ग्राम पंचायत के आंवटीत भूमियो सहित शासकीय भूमियो पर अवैध निर्माण कर कब्जा करने एवं बिना अनुमति अवैध निर्माण कर फार्म हाउस निर्माण करने, शासकीय रास्ता अतिक्रमण कर बंद करने पर अतिक्रमणकर्ता रामुनाथ पिता नाथु नाथ पर उचित कार्यवाही कर शासकीय भूमियो से अतिक्रमण हटा कर बुलडोजर कार्यवाही करने बाबद।
महोदय,
उपरोक्त विषय मे श्रीमान से निवेदन है कि –
01. यह कि रामु पिता नाथु नाथ द्वारा ग्राम पंचायत बामनिया मे पानी की टंकी परिसर हेतु आवंटित शासकीय भुमि जहाँ से पुरे नगर मे नल-जल व्यवस्था का संचालन किया जाता है एवं पानी फिल्टर प्लांट लगा हुआ है उक्त भुमि के बड़े हिस्से पर रामु नाथ पिता नाथु नाथ द्वारा अतिक्रमण किया गया जिसका लेकर ग्राम पंचायत पुर्व मे भी शिकायत कर चुकी है। किन्तु उक्त व्यक्ति द्वारा आज दिनांक तक कब्जा नही नही हटाया गया और बार-बार विवाद खड़ा कर शासकीय कार्य मे बाधा पहुचाई जा रही है। उचित कार्यवाही कर शासकीय भुमि मुक्त करवाने की कृपा करे।
02. यह कि रामु पिता नाथु नाथ द्वारा सेमल वाटर वाक्स की भूमि जहा पर ग्राम पंचायत के पानी के बोरवेल लगे है उक्त वाटर वाक्स की भूमि पर भी उक्त व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा किया गया है और इसका लेकर विवाद किया जाता है ग्राम पंचायत बोरवेल सुरक्षित करने हेतु वाल बांउड्री और तारफेंसिंग कार्य नही कर पा रही है। पुर्व मे शिकायक ग्राम पंचायत द्वारा की गई थी उचित कार्यवाही कर शासकीय भुमि अतिक्रमणकर्ता से मुक्त करने की कृपा करे।
निरन्तर पेज 02
सचिव ग्राम पंचायत, बामनिया
सरपंच ग्राम पंचायत, बामनिया
प्राप्त

ग्राम पंचायत द्वारा की गई शिकायत की प्रति।

ग्राम पंचायत बामनिया की संपत्ति सहित ग्राम में अन्य शासकीय भूमियों पर रामूनाथ का कब्जा होना पाया गया है। ग्राम पंचायत की ओर से पूरे मामले ओर ग्राम में कई जगह किए गए अतिक्रमण का कच्चा चिट्ठा बना कर तहसील न्यायालय में पेश कर जांच की मांग की है। ग्राम पंचायत द्वारा मय प्रमाण के शिकायत दर्ज करवाते हुए ,जांच कर ग्राम पंचायत ओर अन्य शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है। हम आगे अंक में भी रामूनाथ के काले कारनामे मय प्रमाण के उजागर करेंगे कि किस तरह बामनिया,नारेला ,रामपुरिया आदि गांव में निजी ओर सरकारी भूमियों पर कब्जा कर कैसे बना बड़ा आसामी।

पुलिस के रडार पर रामू नाथ

लगातार लोगों से विवाद के बाद रामूनाथ लगातार पुलिस की रडार पर है और पुलिस, रामूनाथ की खोजबीन कर रही हैं। उधर रामूनाथ ओर उसके परिवार के नाम से 50बीघा से ज्यादा जमीन होने के बाद खुद को गरीब और अजा वर्ग का बता कर अन्य द्वारा प्रताड़ित किया जाने की झुठी शिकायते करता है। जिसकी शिकायत भी ग्राम पंचायत द्वारा की गई हैं। कुछ दिन पूर्व नारेला में एक किसान की निजी भूमि से फसल काटने का विवाद चल रहा था जिसमें मामला भी दर्ज हो चुका है।

खेत मालिक दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि, विवाद के बाद रामूनाथ ने पत्नी के नाम से हरिजन प्रकोष्ट थाना झाबुआ में झूठी शिकायत दर्ज करवा कर प्रताड़ित किया है। जबकि मेरा परिवार इससे तीन वर्षो से प्रताड़ित हो रहा है। इतना ही नहीं दुर्लभ प्रजाति के सांप सेंट गोवा (दोमुंहा सांप) की तस्करी जैसे मामलों में आरोपी होने के बाद भी इसके पास बंदूक का लाइसेंस होना बड़ी बात है। जिसके जरिए लोगों को धमकाने तक का काम करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422